दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak
वर्ष: 2 | अंक: 347 जयपुर, सोमवार, 27 नवंबर, 2023 | कार्तिक, शुक्ल पक्ष- पूर्णिमा, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

56 साल का सर्वाधिक मतदान

कीर्तिमान के लिए साधुवाद

विनायक शर्मा

लोकतंत्र को अक्षुण्ण बनाए रखने में जो भूमिका मतदाता की है, वह किसी आयोग, सरकार, सुरक्षा बल या प्रशासन की नहीं। अन्य सब तो प्रबंधन यानी मतदाता को सुगमता से मतदान करने के लिए सुविधा प्रदान करने वाले होते हैं। वास्तव में प्रजातंत्र जीवित ही मताधिकार से है। इस दायित्व का निर्वहन विश्व के इस सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में यहां का सुधी मतदाता जिस शिद्दत से निभाता आया है, वह वाकई सराहनीय और वंदनीय है। राजस्थान विधानसभा के चुनाव में जिस तरह यहां के करीब 5.27 करोड़ मतदाताओं के 75 फीसदी से बड़े हिस्से ने भागीदारी और जिम्मेदारी निभाई वह समूची दुनिया के लिए, खासकर लोकतंत्र को सेना की बंदूक के सहारे चलाने वाले पाकिस्तान जैसे मुल्कों के लिए अनुकरणीय है। यह उन्हें सीख देता है कि कैसे अपनी डेमोक्रेसी को जीया जाता है, कैसे उसे बनाए रखा जाता है और कैसे बिना खड्ग-बिना ढाल के सरकार का तख्तापलट किया जाता है।

एक सच्चे लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति के वोट का बराबर मूल्य होता है। इसका निर्धारण मतदाता की जाति, धर्म, लिंग, भाषा, अमीर या गरीबी से नहीं किया जाता। जितना बेशकीमती यानी बहुमूल्य वोट अडाणी-अंबानी-टाटा-बिड़ला-नारायण मूर्ति का है, उतना की एक झुग्गी में रहने वाले गरीब का भी है। सबको अपनी सरकार चुनने के लिए संविधान ने यह अधिकार दिया है। यह कल्पना करके सिहरन दौड़ जाती है कि अगर संविधान नहीं होता, मत का अधिकार नहीं होता, तो हम किन हालात में होते। राजनीतिक दलों का जुमला 'जंगलराज' वाकई में होता।

खैर, इस बार राजस्थान के मतदाताओं ने लोकतंत्र के प्रहरी होने का जो परिचय दिया, वह अविस्मरणीय और प्रशंसनीय है। मतदान धीमा होने की तमाम तरह की शिकायतें उस वक्त सतही साबित हो गईं, जब मतदान प्रतिशत शनिवार देर रात तक 74 और रविवार को फाइनल आंकड़े में 2013 के 75.04 फीसदी को भी पार कर 75.45% हो गया। साल 1967 के अब तक के सर्वाधिक 85.14% के रिकॉर्ड के 56 साल बाद 2023 में 75.45 फीसदी मतदान करके आप लोगों ने वास्तव में लोकतंत्र की लाज ही नहीं रखी, बल्कि उन लोगों को भी मुंह तोड़ जवाब दे दिया जो मतदान प्रतिशत को लेकर आशंकित थे। आपने 2013 का कीर्तिमान ध्वस्त कर 56 साल बाद नया इतिहास रच दिया है। इसमें भी महिलाओं ने ज्यादा वोटिंग करके जता दिया कि पितृ सत्तात्मक व्यवस्था अब उन्हें अंडर एस्टीमेट करना बंद करे। यही लोकतंत्र की खूबसूरती है कि बिना किसी दबाव-प्रलोभन-भय के हर मतदाता मतदान कर सकता है। डेमोक्रेसी में कुछ कमियां भी हैं, अलबत्ता, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अपनी कमियों पर भी बोलने की आजादी भी देता है।

आपने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है, इसे न सिर्फ राजस्थान, बल्कि पूरी दुनिया स्वीकार करेगी। आपका वोट किसे जिताएगा, इससे ऊपर यह बात है कि आपने लोकतंत्र के पर्व को महापर्व बना दिया। यह जीत आपकी है, इसके लिए दिल की गहराइयों से साधुवाद।

विधानसभा आम चुनाव: मतदान का फाइनल आंकड़ा 75.45%

महिलाओं की वोटिंग पुरुषों के मुकाबले 0.19% ज्यादा

पुरुषों ने 74.53% और महिलाओं ने 74.72 फीसदी वोटिंग की

ईवीएम से हुआ 74.62% और पोस्टल बैलेट से 0.83% मतदान

वर्ष 2018 में प्रदेश में हुआ था 74.71 फीसदी मतदान

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 के अंतर्गत मतदान के दिन लोकतंत्र के महापर्व में मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाते हुए जमकर मतदान किया। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में इस वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी दर्ज हुई। इस वर्ष प्रदेश में 75.45 फीसदी मतदान हुआ। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में 0.73 प्रतिशत मतदान की बढ़ोतरी हुई। विधानसभा चुनाव- 2023 के कुल मतदान में पोस्टल बैलेट से हुआ 0.83 प्रतिशत मतदान भी शामिल है। प्रदेश में 25 नवंबर को ईवीएम से कुल 74.62 प्रतिशत मतदान हुआ। पुरुषों ने 74.53 प्रतिशत और महिलाओं ने 74.72 प्रतिशत मतदान किया। विधानसभा चुनाव-2018 में प्रदेश में 74.71 प्रतिशत मतदान हुआ था, जिसमें पुरुषों ने 74.75 प्रतिशत और महिलाओं ने 74.67 प्रतिशत मतदान किया था।

इन विधानसभा क्षेत्रों में सर्वाधिक मतदान

ईवीएम से सबसे अधिक 88.13 प्रतिशत मतदान कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुआ। यहां 2018 में 86.13 प्रतिशत मतदान हुआ था। पोकरण विधानसभा क्षेत्र में इस बार 87.79 प्रतिशत मतदान हुआ, यहां वर्ष 2018 के चुनाव में 87.50 प्रतिशत मतदान हुआ था। तिजारा में पिछली बार के 82.08 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 86.11 प्रतिशत मतदान हुआ। पोकरण, कुशलगढ़ और तिजारा विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक महिलाओं ने क्रमशः 88.23 प्रतिशत, 87.54 प्रतिशत और 85.45 प्रतिशत मतदान किया।

जयपुर @ घूंघट भी बाधा नहीं

इन क्षेत्रों में सबसे कम मतदान

आहोर विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम से सबसे कम 61.24 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां 2018 में 61.53 प्रतिशत मतदान हुआ था। मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र में इस बार 61.29 प्रतिशत मतदान हुआ, यहां वर्ष 2018 के निर्वाचन में 60.42 प्रतिशत मतदान हुआ था। सुमेरपुर में पिछली बार के 60.89 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 61.44 प्रतिशत मतदान हुआ। जोधपुर, टोडाभीम और बामनवास विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत सबसे कम क्रमशः 62.97 प्रतिशत, 63.22 प्रतिशत और 63.63 प्रतिशत रहा।

यहां बढ़ा सबसे अधिक मतदान प्रतिशत

बसेड़ी में सर्वाधिक 9.6 प्रतिशत, तारानगर में 7.65 प्रतिशत, आसपुर में 7.01 प्रतिशत मतदान में बढ़ोतरी हुई। वहीं, फलौदी में मतदान प्रतिशत में सबसे अधिक 7.15 प्रतिशत, हिंडौन में 6.10 प्रतिशत और जैसलमेर में 4.79 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश में ईवीएम से कुल 39211399 वोट पड़े। इनमें 18827294 वोट महिलाओं, 20383757 पुरुषों और 348 वोट थर्ड जेंडर के मतदाताओं ने डाले।

जरूरी खबर

T-20 सीरीज: भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 44 रन से हराया

तिरुवनंतपुरम। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पांच मैच की टी20 सीरीज के दूसरे मैच में 44 रन से हरा दिया है। तिरुवनंतपुरम में रविवार को भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन और ऋतुराज गायकवाड़ के अर्धशतकों की मदद से 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 235 रन बनाए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 191 रन ही बना सकी। भारत के लिए रवि बिश्नोई और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3 विकेट लिए। भारत ने सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। जायसवाल प्लेयर ऑफ द मैच बने।

ये भी देखें...

त्रि-स्तरीय सुरक्षा में कैद 199 प्रत्याशियों का भाग्य पेज-2
अपनों के बीच बैठे तो फुर्र हुआ प्रचार का स्ट्रेस पेज-3
कलाकारों ने बिखेरे लोक रंग, कार्तिक स्नान आज पेज-4
प्रदेश की 58.8 प्रतिशत सीटों पर बढ़ा मतदान पेज-5

मौसम: अब तेजी पकड़ रही है सर्दी

सुबह-शाम बढ़ी सर्दी, रात में ठिठुरन, दिन में गर्माहट

बेधड़क | जयपुर

उत्तर भारत में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ का असर प्रदेश के मौसम में भी देखने का मिला है। इससे जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ जिलों में बारिश के साथ ओले गिरने से वहां ठंड तेज हो गई है। राजधानी जयपुर में रविवार को सुबह और शाम के समय आसमान में हल्के बादल छाए रहे। शहर में सुबह और शाम को सर्दी ज्यादा पड़ रही है। वहीं, रात में ठिठुरन बढ़ गई है। यहां रात का तापमान 15.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

अरब सागर से एक ट्रफ लाइन आने से गुजरात- महाराष्ट्र सीमा पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम बन गया है। इससे आर्दता बन जाने से बाड़मेर, जालोर, जैसलमेर एरिया में बारिश और ओले गिरे। इस सिस्टम के कारण राजस्थान के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हो रही है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस मौसम का असर सोमवार को भी रहेगा। मंगलवार को मौसम साफ होने के साथ सर्दी तेज बढ़ने के संकेत है।

जालोर

बिजली गिरने से किशोरी की मौत

बिजली की चपेट में आई तीन भैंसें

जालोर में बिजली गिरने से भैंस को चारा डाल रही 17 वर्षीय लड़की की मौत हो गई, जबकि तीन भैंस भी बिजली की चपेट में आ गईं। घटना सायला थाना क्षेत्र के डाबली गांव की बताई जा रही है।

नगर निगम बीकानेर का मामला: बैकडेट में पट्टे जारी करने का आरोप

आचार संहिता में जारी हुए 25 पट्टे... चुनाव आयोग ने दिए जांच के आदेश

ओम प्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। आचार संहिता के दौरान बैकडेट में बीकानेर नगर निगम द्वारा कई पट्टे जारी करने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलते ही राज्य के मुख्य निवार्चन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने जिला कलेक्टर को जांच के आदेश दिए। अधिकारियों की कारस्तानी देखिए उन्होंने निगम की ऐसी शाखा के रजिस्टर से दस्तावेज डिस्पैच किए, जिसका पट्टे जारी करने का काम ही नहीं है।

खास बात यह है कि डिस्पैच वाले दिन इस शाखा की प्रभारी अवकाश पर थी। यह कारगुजारी जब सामने आई तो हड़कंप मच गया और लोगों ने चुनाव आयोग को शिकायत कर दी। पट्टों की 9 अक्टूबर को रसीद जारी की गई है। इन पट्टों में से 6 पट्टों की रसीद ऑफलाइन की गई, जो की बैकडेट में जारी करना प्रतीत होता है। आयोग में नगर निगम कमिश्नर केसर लाल मीणा व तरुण खत्री और समुंदर सिंह के खिलाफ शिकायत हुई है। तरुण खत्री व समुंदर के खिलाफ पहले भी निगम की पत्रावलियों में गड़बड़ करने पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। अफसरों द्वारा 25 से ज्यादा पट्टे जारी किए है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता तक पहुंची शिकायत

तीन परिवारों को ज्यादा फायदा

पड़ताल में सामने आया कि निगम आयुक्त ने अफसरों के साथ मिलकर आचार संहिता का उल्लंघन करके तीन परिवारों को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाया है। एक ही परिवार के तीन-तीन सदस्यों के नाम से ये पट्टे जारी किए गए। इनमें अशोक कुमार गोयल, उनकी पत्नी सुमन गोयल व बेटे रितिश के नाम से पट्टा दिया गया है। इसी प्रकार दुर्गादास किराड़ा व श्याम सुंदर किराडा और एक परिवार के तीन सदस्य सरस्वती देवी, विकास चौधरी व सुनिता चौधरी के नाम से पट्टे जारी किए गए।

9 अक्टूबर को पट्टे इनके नाम

विधानसभा चुनावों को लेकर प्रदेश में 9 अक्टूबर को आचार संहिता लग गई थी। इसके बाद अफसरों ने आचार संहिता के दौरान बैकडेट में भैरूलाल, सुशील कुमार, मधु देवी, मुकेश कुमार सोनी, भंवरलाल सोनी, गंगा देवी, सुमन गोयल, रितेश गोयल, अशोक गोयल, दुर्गादास किराड़ा, श्याम सुंदर किराड़ा, राजेन्द्र प्रसाद, कुसुम जैन, विजय कुमार हर्ष, कमला देवी, गौरी शंकर शर्मा, मदन गोपाल, सरस्वती देवी, विकास चौधरी व सुनीता चौधरी के नाम से पट्टे जारी किए।

ड्रैगन फिर रहस्यमयी बीमारी की चपेट में

चीन में निमोनिया का प्रकोप, भारत सतर्क... एडवाइजरी जारी

- केंद्र ने राज्यों से स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा करने को कहा
- बच्चों में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी के रुझान पर नजर रखने की सलाह
- सर्दी के मद्देनजर इस बीमारी को लेकर अधिक आशंका

बेधड़क | नई दिल्ली

उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि के संकेत संबंधी हाल की रिपोर्टों के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को तुरंत सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा करने की सलाह दी है। मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि उसने अत्यधिक सतर्कता बरतते हुए श्वास संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए प्रारंभिक उपायों की सक्रिय रूप से समीक्षा करने का निर्णय लिया है।

इसमें कहा गया है, 'मौजूदा इन्फ्लूएंजा और सर्दी के मौसम के मद्देनजर इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसके कारण श्वसन संबंधी बीमारी के मामलों में वृद्धि हो रही है। भारत सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और संकेत दिया है कि किसी भी तरह की चेतावनी की जरूरत नहीं है।'

WHO ने दिए बीमारी वृद्धि के संकेत

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल में चीन के उत्तरी हिस्सों में सांस की बीमारी में वृद्धि का संकेत दिया गया है। यह मुख्य रूप से इन्फ्लूएंजा, निमोनिया और सार्स-सीओवी-2 जैसे रोगों के लिए जिम्मेदार है। मंत्रालय ने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने चीनी अधिकारियों से अतिरिक्त जानकारी मांगी है, लेकिन यह आकलन किया गया है कि फिलहाल किसी भी तरह की चिंता की कोई बात नहीं है।

राज्यों को जारी की एडवाइजरी

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारियों जैसे कि बिस्तरों की उपलब्धता, इन्फ्लूएंजा के लिए दवाओं और टीकों, चिकित्सा ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, परीक्षण किट, ऑक्सीजन संयंत्रों और वेंटिलेटर की कार्यक्षमता आदि की समीक्षा करने की सलाह दी है। राज्य के अधिकारियों को श्वसन संबंधी बीमारियों वाले मरीजों विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के नाक और गले के स्वाब के नमूने वायरस अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशालाओं में भेजने के लिए कहा गया है।

चीन में हालात खराब

बता दें, चीन में एक और रहस्यमयी बीमारी ने कुछ दिनों से कहर मचा रखा है। इसे निमोनिया माना जा रहा है, लेकिन इसके बारे में अब तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आ सकी है। देश के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में इसके शिकार पाए गए हैं। इसके चलते चीन में हालात कोरोना के शुरुआती दौर जैसे हो गए हैं और बड़े पैमाने पर अस्पतालों में लोगों को भर्ती कराना पड़ रहा है।

जरूरी खबर

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने व्यक्त की संवेदना

बेधड़क, जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम के पिता कौशलाराम सुथार का हाल ही में देहांत हो गया था। क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम के पिता के देहांत के बाद कई राजनीतिक हस्तियों ने शोक सवेंदना व्यक्त की। रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने निंबाराम के भाई के आवास पर पहुंचकर उनके पिताजी कौशलाराम सुथार के स्वर्गवास पर संवेदनाएं व्यक्त की। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने कई कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की।

गलता पीठ में मनाया भगवान का ब्रह्मोत्सव

बेधड़क, जयपुर। उत्तर भारत की प्रमुख वैष्णव पीठ उत्तर तोदाद्रि गलताजी में मनाए जा रहे कार्तिक एवं ब्रह्मोत्सव में लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान, दर्शन व दान पुण्य किया। गलता पीठ के युवराज स्वामी राघवेन्द्र ने बताया कि सुबह 4 बजे से ही आंगतुक श्रद्धालुओं के लिए चाय एवं अल्पाहार की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि सोमवार को हवन, अवभृथ स्नान आदि के साथ गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज के पावन सान्निध्य में मनाए जा रहे ब्रह्मोत्सव व कार्तिक महोत्सव का समापन किया जाएगा।

आकर्षण का केन्द्र बनी माइंस विभाग की स्टाल

जयपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित आईआईटीएफ में राज्य खासतौर से भीलवाड़ा में माइंस विभाग द्वारा संचालित डीएमएफटी गतिविधियों को दर्शकों द्वारा सराहा जा रहा है। केन्द्र सरकार के माइंस मंत्रालय के आग्रह पर राज्य के माइंस एवं जियोलोजी डिपार्टमेंट इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में हिस्सा लिया है। आईआईटीएफ में राजस्थान के पेवेलियन का उद्घाटन एसीएस माइंस व इन्डस्ट्री वीनू गुप्ता ने 14 नवंबर को नई दिल्ली में किया था। राजस्थान पेवेलियन व माइंस विभाग का स्टॉल देशी विदेशी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। देशी विदेशी दर्शकों द्वारा प्रदेश की खनिज गतिविधियों की उत्सुकता से जानकारी ली जा रही है। इसमें भीलवाड़ा में डीएमएफटी में कराए गए कार्यों को डिसप्ले पैनल्स, ऑडियो विजुअल प्रजेन्टेशन व मॉडल्स के माध्यम से प्रमुखता के साथ प्रदर्शित किया गया है।

चुनाव आयोग ने शिक्षा, पुलिस, होम गार्ड सहित अन्य विभागों के कार्मिकों की लगाई थी ड्यूटी

मतदान में 2.74 लाख कर्मचारियों ने निभाई अहम जिम्मेदारी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में शनिवार को शांतिपूर्ण सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव में निर्वाचान आयोग के साथ साथ प्रदेश के लाखों कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई।

प्रदेश में चुनाव को लेकर राजस्थान पुलिस, होम गार्ड, आरएसी और सीएपीएफ, शिक्षा विभाग, सहित कई विभागों ने अहम भूमिका निभाई। प्रदेश में 199 विधानसभा क्षेत्रों में 2 लाख 74 हजार 846 कर्मचारियों ने मतदान सम्पन्न कराया। निर्वाचन आयोग की जानकारी के अनुसार प्रदेश में निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान को लेकर 1,02,290 सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। जिसमें 69,114 पुलिसकर्मी, 32,876 राजस्थान होमगार्ड, फॉरेस्ट गार्ड एवं आरएसी जवानों का बल तैनातकिया गया था। वहीं सीएपीएफ की 700 कंपनियां तैनातकी गई थी। मतदान कर्मियों में इस बार 7960 महिला मतदान कर्मी, महिला प्रबन्धित मतदान केन्द्रों पर एवं 796 दिव्यांग मतदान कार्मिक दिव्यांग प्रबन्धित मतदान केन्द्रों पर कमान संभाली। वहीं 6,287 माइक्रो आब्जर्वर और 6247 सेक्टर अधिकारी भी नियुक्त किए गए थे।

■ 1,02,290 सुरक्षा कर्मियों ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था

जब्ती का आंकड़ा 970 प्रतिशत बढ़ा

निर्वाचन विभाग और अन्य एजेंसियां ने विधानसभा चुनाव में अवैध नकदी की जब्ती में रिकॉर्ड कायम किया हैं। प्रदेश में इस बार 690 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध जब्ती की गई है। विभाग की जानकारी के अनुसार इस बार प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद जब्ती का आंकड़ा 970 प्रतिशत बढ़ कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। गौरतलब हैं कि विधानसभा चुनाव-2018 में आदर्श आचार संहिता की अवधि में कुल 70.8 करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती की गई थी। प्रदेश में हुई 690 करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती 95.79 करोड़ रुपए की नकदी, 55.18 करोड़ रुपए की शराब, 93.71 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स, 74.63 करोड़ रुपए मूल्य की बहुमूल्य धातुएं और 368.53 करोड़ रुपए से अधिक की फ्री बीज एवं अन्य वस्तुएं शामिल हैं।

70 व्यय पर्यवेक्षकों ने रखी पैनी नजर

आचार संहिता अवधि में राजस्थान पुलिस 429.88 करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती कर चुकी है। आयकर विभाग ने 72.50 करोड़ रुपए मूल्य की नकदी और सामग्री जब्त की है, जबकि राज्य आबकारी विभाग, राज्य जीएसटी विभाग, केन्द्रीय जीएसटी एवं नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा क्रमशः 17.99 करोड़ रुपए, 116.16 करोड़, 32.67 करोड़ और 4.98 करोड़ रुपए मूल्य की जब्ती की गई है। यही नहीं, चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से कई महीने पहले से ही प्रवर्तन एजेंसियों ने अपनी निगरानी तेज कर दी थी। चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन व्यय पर निगरानी रखने के लिए 70 व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए थे।

राजस्थान और कॉमर्स कॉलेज में रखी गई मशीनें

EVM में कैद प्रत्याशियों के 'भाग्य' पर कड़ा पहरा

- स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर 24 घंटे हथियारबंद जवान तैनात
- सीसीटीवी कैमरों के जरिए की जा रही निगरानी

बेधड़क | जयपुर

जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों में शनिवार को शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने के बाद 199 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। जयपुर जिले की सभी सीटों पर मतदान के बाद ईवीएम और वीवीपैट मशीनों को लेकर मतदान दल शनिवार देर रात तक राजस्थान कॉलेज और कॉमर्स कॉलेज में पहुंचते रहे।

ईवीएम और वीवीपैट मशीनों को यहां त्रि स्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। जयपुर के कॉमर्स कॉलेज और राजस्थान कॉलेज में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच मत पेटियों को रखा गया है। अब 3 दिसंबर को मतगणना के दिन इन मतपेटियों को खोला जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है। स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई ईवीएम मशीनों की सुरक्षा आरएसी, पुलिस, आरएएफ और सीपीएमएफ के जवानों पर है।

कॉलेज के बाहर आरएसी और स्थानीय पुलिस ने घेराबंदी कर रखी है तो वहीं कॉलेज के अंदर का हिस्सा रैपिड एक्शन फोर्स के हवाले है। रैपिड एक्शन फोर्स के जवान हथियारों के साथ सुरक्षा कर रहे हैं। इसके साथ ही स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा सीपीएमएफ के जवानों के हवाले है। कॉमर्स कॉलेज में दस विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम मशीने जमा की गई हैं। वहीं राजस्थान कॉलेज में नौ विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम मशीनों को सुरक्षा के बीच रखा गया है। इसके साथ ही पुलिस के तमाम आला अधिकारी भी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था पर अपनी नजर बनाए हुए हैं।

जिला कलेक्टर ने जांची सुरक्षा व्यवस्था

राजस्थान और कॉमर्स कॉलेज में रखी हुई ईवीएम की सुरक्षा जांच को लेकर जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने रविवार को दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके अलावा सभी ऑब्जर्वर ने स्ट्रॉन्ग रूम में आकर ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था देखी। जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि सुरक्षा को लेकर इंतजाम पूरे कर दिए हैं। प्रत्याशी भी मौके पर आकर सुरक्षा व्यवस्था को देख सकते हैं।

16 स्ट्रॉन्ग रूम बनाए

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि कॉमर्स कॉलेज में 16 कमरों में बनाए स्ट्रॉन्ग रूम चौमूं, फुलेरा, चाकसू, किशनपोल, विद्याधर नगर, आमेर, विराटनगर, जमवारागढ़, बस्सी एवं शाहपुरा कुल दस विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम सामग्री का संग्रहण किया गया है। वहीं राजस्थान कॉलेज में 15 कमरों में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में झोटवाड़ा, बगरू, दूदू, सांगानेर, आदर्श नगर, सिविल लाइन्स, मालवीय नगर, हवामहल एवं कोटपूतली कुल नौ विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम का संग्रहण किया गया है।

पोलिंग पार्टी ने करवाया शांतिपूर्ण मतदान

जिले की 19 विधानसभा सीटों में मतदान को लेकर मतदान दलों से अहम भूमिका निभाई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कोटपूतली में 224, विराटनगर में 226, शाहपुरा में 213, चौमूं में 228, फुलेरा में 253, दूदू में 270, झोटवाड़ा में 360, आमेर में 274, जमवारामगढ़ में 239, हवामहल में 222, विद्याधर नगर में 283, सिविल लाइन्स में 209, किशनपाले में 169, आदर्श नगर में 228, मालवीय नगर में 186, सांगानेर में 304, बगरू में 315, बस्सी में 252 एवं चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 236 मतदान दल चुनावी कार्य संपादित करवाया।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी रंधावा ने जारी किए आदेश

पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त 11 कार्यकर्ताओं पर गाज

कांग्रेस ने 6 साल के लिए किया निष्कासित

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव के मतदान संपन्न होने के बाद पार्टियों ने उन कार्यकर्ताओं की खबर लेना शुरू कर दिया है, जिन्होंने चुनाव में पार्टी लाइन से हटकर काम किया। पार्टी की रीति-नीति और प्रत्याशियों के खिलाफ काम करने वाले 11 कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को कांग्रेस ने रविवार को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया।

इस संबंध में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के मुताबिक भादरा (हनुमानगढ़) में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ काम करने पर भादरा ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष राजेश्वरी गोस्वामी और शेरसिंह गोस्वामी

को 6 साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया है। वहीं जयपुर की मालवीय नगर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा की खिलाफत करने के आरोपों के चलते पीसीसी के विचार विभाग के पूर्व संयोजक वेदप्रकाश शर्मा, वार्ड 127 की पार्षद प्रत्याशी कविता छबलानी, वार्ड 130 की पार्षद राजुला सिंह, वार्ड 140 के पार्षद अभिषेक सैनी, वार्ड 135 के पार्षद राजेश कुमावत और वार्ड 134 के पार्षद करण शर्मा को भी 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है। इसी प्रकार सादुलशहर विधानसभा सीट पर पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ काम करने के आरोपों के चलते गंगानगर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष कंवर सैन सिहाग व श्रीगंगानगर जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष करण सहारण को छह साल के लिए निष्कासित किया गया है।

जबकि सांगोद में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष कुशलपाल सिंह को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। उन पर भी पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी की खिलाफत करने का आरोप हैं।

रंगीन रोशनी से जगमग गुरुद्वारे

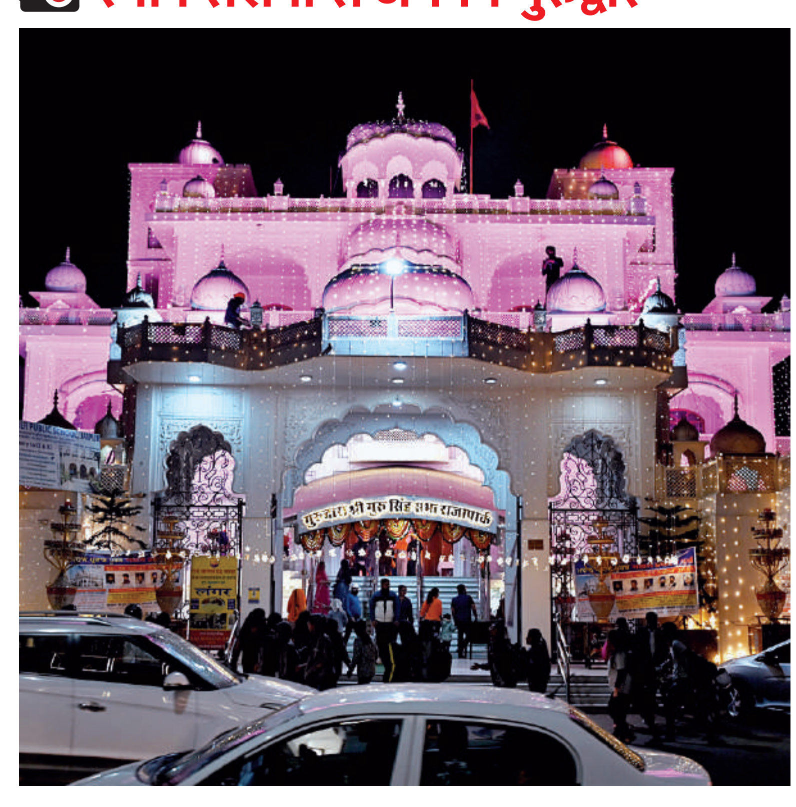

जयपुर। गुरुनानक देवजी का 554वां प्रकाश पर्व सोमवार को मनाया जाएगा। प्रकाश पर्व के मौके पर जयपुर के गुरुद्वारों को दुल्हन की तरह सजाया गया है। रंग बिरंगी लाइट्स से गुरुद्वारे जगमगा रहे हैं तो बड़ी संख्या में लोग गुरुद्वारे पहुंच रहे हैं। श्रीगुरु नानक जयंती को लेकर पिछले 4 दिन से लगातार गुरुद्वारों में तैयारियां पूरी कर ली गई है। साथ ही सुबह 5.30 बजे से प्रभातफेरी और निशान साहिब की यात्रा निकाली गई। गुरूद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा राजापार्क, हीदा की मोरी, ट्रांसपोर्ट नगर सहित विभिन्न गुरूद्वारों में सोमवार को विशेष आयोजन किए जाएंगे।

'सखा' वुमन विद व्हील्स कैब सर्विस महिलाओं को दे रही प्रोत्साहन

जिन हाथों में कभी था चूल्हा-चौका, अब संभाल रही हैं गाड़ी का स्टीयरिंग

बजरंग लाल बुनकर | बेधड़क

जिन हाथों में कभी घर को संभालने और चूल्हा-चौका करने का जिम्मा था, वह आज सड़क पर बेधड़क गाड़ी की स्टीयरिंग संभाल रही हैं।

पुरुषों के एकाधिकार वाले क्षेत्र में मिसाल बनकर खुद को साबित कर रही हैं। यह सब हो पाया है आजाद फाउंडेशन नाम की एनजीओ की मदद से। यह फाउंडेशन जयपुर में गरीब वर्ग की महिलाओं को ड्राइविंग की ट्रेनिंग देकर प्रोफेशनल ड्राइवर बना रहा है। एनजीओ की सहयोगी संस्था सखा की ओर से वुमन विद व्हील्स नाम से फीमेल कैब सर्विस चलाई जा रही है। यह कैब सर्विस जयपुर, दिल्ली एनसीआर, इंदौर, कोलकाता आदि जगहों पर चल रही है। एनजीओ की ओर से अब तक चार हजार महिलाओं को ड्राइविंग की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इनमें पंद्रह सौ महिलाएं ड्राइविंग की जॉब से आत्मनिर्भर बन गई है। जयपुर में करीब 7 कैबों से 24 घंटें टैक्सी सेवा लोगों को उपलब्ध करवा रही हैं। इसके साथ ही टू व्हीलर से सामान डिलिवरी का जॉब कर रही है। इससे महिलाओं को रोजगार मिल रहा है, वहीं ड्राईवर जैसे जोखिमभरे जॉब करने पर हैरानी जताई जा रही है।

महिलाओं को पसंद आ रही सर्विस

सखा कैब सर्विस की सिटी चीफ शिबा ने बताया कि फाउंडेशन के ड्राइविंग ट्रेनिंग कोर्स के बाद ये महिलाएं जयपुर में कैब सर्विस चला रहीं हैं। कपंनी के निर्धारित नंबर, वेबसाइट और ऑफिस में संपर्क कर केब बुक की जाती है। इस सर्विस को ज्यादात्तर महिलाएं व विदेशी ट्यूरिस्ट बहुत पसंद कर रहे हैं। ड्राइविंग से इन महिलाओं को सम्मान की नजरों से देखा जा रहा है।

विदेश में भी चलाएंगी ट्रेलर

इस एनजीओ से ड्राइविंग की ट्रेनिंग ले चुकी 12 महिलाओं का विदेश की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में चयन हुआ है। इसके बाद ये लड़कियां अब विदेश में ट्रेलर चलाएंगी। ड्राइविंग सीखने के बाद 75 महिलाएं सखा के साथ ड्राइवर के रूप में काम कर रही है। जयपुर की पहली ऑटो ड्राइवर भी हेमलता यहां से ट्रेनिंग ले चुकी है। एनजीओ की नेशनल लीड अनिता माथुर ने बताया कि संस्था का काम नेतृत्व क्षमता का विकास करना है।

इनके जीवन में आया बदलाव

"मैं सखा में ड्राइवर का जॉब करती हूं, मुझे बहुत अच्छा लगता है। मैं अपना खर्चा और बच्चों का खर्चा खुद उठाती हूं।

ममता, केब चालक

"पहले मेरे घर पर ड्राईविंग करने के लिए सब मना करते थे। आज उनको मेरे पर और ड्राईवर काम करने पर गर्व है। जयपुर के बाहर भी सवारियां ले जाती हूं।

संजू महावर, कैब चालक

"ये मेरा पहला जॉब है और जॉब के साथ पढ़ाई भी कर रही हूं। मेरा परिवार काफी सपोर्ट करता है। मेरे ड्राईवर होने पर सब गर्व करते हैं।

सुमित्रा मीणा, कैब चालक

पीसीसी और बीजेपी कार्यालयों में पसरी खामोशी

जयपुर। विधानसभा चुनावों के चलते कई दिन से कार्यकर्ताओं की चहल-पहल से आबाद रहने वाले प्रदेश कांग्रेस कार्यालय और बीजेपी कार्यालयों में मतदान के बाद रविवार को खामोशी पसरी रही। कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता नहीं पहुंचे। ज्यादातर ने घर पर ही आराम फरमाया। चुनावी कसरत पूरी हो जाने के बाद भाजपा कार्यालय में भी रविवार को कम ही चहलपहल ही रही। पार्टी से जुड़े लोगों ने अपने-अपने काम निपटाए और अपने-अपने घर चले गए। **-फोटो: राजेश कुमावत/ पंकज शर्मा**

शब-ए-फुर्कत से जागा हूं फरिश्तों अब तो सोने दो, कभी फुर्सत में कर लेना हिसाब...

अपनों के बीच बैठे तो फुर्र हुआ प्रचार का स्ट्रेस

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में 25 नवंबर को हुए मतदान के बाद बीजेपी एवं कांग्रेस दोनों के ही प्रत्याशी रिलैक्स मूड में है। चुनाव में लगातार रैली और सभाएं, पैदल जनसंपर्क, बैठकों का दौर, स्टार प्रचारकों का दौरा जैसे कई कार्यक्रमों के बाद प्रत्याशियों ने राहत की सांस ली।

मतदान के दूसरे दिन प्रत्याशियों ने फुर्सत में दिन की शुरुआत की। किसी ने मंदिर में पूजा अर्चना की तो कोई घर पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेता नजर आया। नेताओं का कहना था कि वह मतदान से पहले रात 11:30 बजे मोबाइल को फ्लाइट मोड पर करके सो जाते थे और सुबह 6:30 उठकर फिर से रैली और सभाओं की तैयारियों में जुट जाते थे। चुनाव के दौरान कई घंटे मेहनत की है। कई बार 2 से 3 घंटे ही सोने को मिले।

अब चुनाव के बाद वह बेहद ही रिलेक्स मूड में दिखाई दे रहे हैं। नेताओं का कहना है कि जैसे ही मतदान प्रक्रिया पूरी हुई उसके बाद शारीरिक और मानसिक थकावट दूर हो गई। कई नेताओं ने रविवार को अपनी सुबह की शुरुआत कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर चुनावी चर्चाएं करते हुए की। इस दौरान उन्होंने चुनाव प्रचार और मतदान के दौरान गठित घटनाओं के बारे में विस्तार से जाना। किसी ने आराम किया तो किसी ने कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया।

प्रताप सिंह खाचरियावास

रफीक खान

पुष्पेन्द्र भारद्वाज

बालमुकुंदाचार्य

अर्चना शर्मा

सतीश पूनियां

कालीचरण सराफ

गोपाल शर्मा

रवि नैय्यर

भजनलाल शर्मा

जॉब के बदले महिला से किया रेप

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना इलाके में डरा-धमकाकर एक महिला से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार भरतपुर निवासी 20 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज दी है कि जवाहर सर्किल इलाके में रहकर पति-पत्नी दोनों जॉब करते थे। क्वार्टर में आरोपी रवि भी वहीं रहता है। आरोप है कि आरोपी रवि ने जॉब करते रहने की धमकी देकर बीते शुक्रवार को रात करीब 12 बजे मिलने के बहाने छत पर बुलाया। वहां धमकाकर दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

गरीब को डेढ़ लाख का नुकसान, मुआवजे की मांग

बघेरे ने किया 25 भेड़ों का शिकार

बेधड़क | जयपुर

राजधानी से सटे रामगढ़ क्षेत्र में ग्राम नेवर (मोका की ढाणी) में रविवार की अलसुबह बघेरे ने एक बाड़े में घुसकर 25 भेड़ों का शिकार कर लिया। बाड़ा रामपाल मीणा का था। बघेरा 20 मवेशियों को तो मार गया, जबकि 5 को अधमरी कर गया।

घटना के दौरान बाड़े में मवेशियों का शोर-शराबा पड़ोसियों ने सुना, लेकिन बघेरे के डर से बाड़े में जाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। करीब आधे घंटे के बाद ग्रामीण मौके पर पंहुचे तो 20 मवेशियों को मरा हुआ पाया, जबकि 5 मवेशी लहुलुहान हालत में तपड़ते मिले। आकलन के अनुसार, इस घटना से करीब डेढ़ लाख रुपए का नुकसान होना सामने आया है। इसके बाद वन विभाग और पुलिस को घटना की सूचना दी गई। इस घटना के बाद से ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है। लोगों ने पीड़ित को मुआवजे की मांग की है।

एनसीसी के 75वें स्थापना दिवस पर ध्वजारोहण

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं: एयर कमोडोर

बेधड़क | जयपुर

एनसीसी राजस्थान की ओर से रविवार को गांधीनगर एनसीसी कांप्लेक्स में 75वां राज्य स्तरीय एनसीसी स्थापना दिवस मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान एनसीसी के उपमहानिदेशक एयर कमोडोर सत्येंद्र शर्मा रहे। इस दौरान मुख्य अतिथि एयर कमोडोर शर्मा एनसीसी कैडेट्स से रूबरू भी हुए। उन्होंने कहा कि मैंने भी एनसीसी केडैट रहते हुए इस मुकाम को पाया है।

कैडेट्स की हौंसला अफजाई करते हुए उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी इंसान अगर ठान लेता है तो उसको आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। लगन के साथ संघर्ष और प्रयास करना जरूरी है, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इससे पहले जयपुर ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर कर्नल वीरेंद्र कुमार ने एयर कमोडोर सत्येंद्र शर्मा का गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। मीडिया कोऑर्डिनेटर नंदकिशोर शर्मा ने बताया कि प्रथम राजस्थान बटालियन एनसीसी के सीनियर डिवीजन कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। इसके बाद एनसीसी ध्वज फहराया गया एवं एनसीसी गीत प्रस्तुत किया गया। इंटर ग्रुप प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने के लिए एक समारोह भी आयोजित किया गया।

जिले की 19 सीटों का अंतिम वोटिंग प्रतिशत आया सामने

जयपुर ने दिल खोलकर की वोटिंग, पहली बार छुआ 75.91% का आंकड़ा

बेधड़क | जयपुर

जिले में 19 विधानसभाओं में शनिवार को हुई वोटिंग में मतदाताओं ने दिल खोलकर मतदान किया। जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत 75.91 से ज्यादा दर्ज किया गया है जो कि विधानसभा चुनावों में जयपुर जिले में अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत है।

चुनाव में महिलाओं से ज्यादा पुरुषों ने मतदान किया। वहीं, जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने जयपुर जिले में सफल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव संपन्न होने पर जिले के सभी मतदाताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, मीडिया कर्मियों, मतदान दल में नियोजित कर्मचारियों, पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों के साथ-साथ संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े सभी कार्मिकों का आभार जताया है।

पुरुषों ने ज्यादा डाले वोट

जिले में 20 लाख 23 हजार 140 पुरुष मतदाता, 18 लाख 11 हजार 225 महिला मतदाता एवं 42 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार 76.08 फीसदी पुरुष मतदाताओं, 74.35 महिला मतदाताओं एवं 56.58 फीसदी ट्रांसजेंडर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

होम वोटिंग में 97 फीसदी हुआ मतदान

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जयपुर जिले में 14 से 19 नवंबर तक 80 वर्ष से अधिक आयु के एवं 40% से अधिक दिव्यांग श्रेणी के मतदाताओं को विधानसभा चुनाव के लिए घर पर मतदान करने की सुविधा दी गई थी। इनमें 97 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं ने होम वोटिंग का लाभ उठाया और 19 विधानसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत 7 हजार 230 में से 7 हजार 50 मतदाताओं ने होम वोटिंग के तहत घर से मतदान किया।

ग्रामीण में शाहपुरा में ज्यादा पड़े वोट

विधानसभा चुनाव में मतदान को लेकर हर वर्ग एव आयुवर्ग के मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में 77.38 फीसदी, विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में 76.49 फीसदी, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 84.81 फीसदी, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 84.41 फीसदी, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 78.36 फीसदी, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 79.30 फीसदी, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 72.21 फीसदी, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 78.20 फीसदी एवं जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 77.18 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

हवामहल रहा आगे

चारदीवारी में हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 76.74% वोटिंग हुई। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 73.16%, सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में 70.66%, किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 77.36 %, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 73.84%, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 70.37%, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 70.86 फीसदी, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 72.73 फीसदी, बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 78.98 फीसद एवं चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 76.29 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

38 लाख से ज्यादा ने डाले वोट

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि जिले में कुल 38 लाख 34 हजार 407 मतदाताओं ने ईवीएम के जरिए, 7 हजार 50 मतदाताओं ने होम वोटिंग के जरिए, लगभग 26 हजार 293 मतदाताओं ने डाक मतपत्र के जरिये मतदान किया है। इस प्रकार जयपुर जिले लगभग 38 हजार 67 लाख 750 से ज्यादा मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

जरूरी खबर

रेलवे स्टेशन से RPF ने पकड़ी 3.25 किलो चांदी

अजमेर। आरपीएफ ने रविवार को रेलवे स्टेशन पर 3.25 किलो चांदी के साथ फॉयसागर निवासी ज्वेलर मनोज कुमार सोनी को पकड़ा है। पूछताछ में युवक ने चांदी को फिनिशिंग के लिए ब्यावर ले जाना बताया है। ज्वेलर से चांदी के बिल मांगा तो युवक के पास से कोई भी दस्तावेज नहीं मिले। इसके बाद चांदी को जब्त का जीएसटी विभाग के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने जब्त की चांदी की कीमत करीब ढाई लाख रुपए आंकी गई है। जीएसटी विभाग ज्वेलर्स से पूछताछ में जुटा है।

बिजली गिरने से किशोरी और बालक की मौत

जालोर। सायला उपखंड क्षेत्र के डाबली गांव में रविवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक किशोरी और 3 भैंस की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार खेत में रेवी कुमारी (17) पुत्री लिखमाराम सुबह करीब 10 बजे सरसों की खरपतवार कर रही थी। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से रेवी कुमारी सहित 3 भैस की मौत हो गई। रेवी कुमारी कॉलेज में अध्ययनरत थी। वह सिणधरी (बाड़मेर) के सरकारी कॉलेज में प्रथम वर्ष की स्टूडेंट थी। रविवार को छुट्टी होने के कारण घर पर आई हुई थी। वहीं बाड़मेर जिले के बाखासर थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। वहीं, उसका पिता बुरी तरह झुलस गया।

ब्रह्म चतुर्दशी पर पुष्कर में संतों ने किया शाही स्नान

अजमेर। पुष्कर मेला सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा के महास्नान के साथ ही संपन्न हो जाएगा। वहीं इस महास्नान के लिए रविवार शाम से ही श्रद्धालुओं का पुष्कर पहुंचना शुरू हो गया था। महास्नान रविवार रात 12 बजे से शुरू हो गया। इससे पूर्व सन्तो ने सप्त ऋषि घाट पर शाही स्नान किया। ब्रह्म चतुर्दशी के मौके पर शाही स्नान के लिए पुष्कर के विभिन्न आश्रम, मठ और मंदिरों में ठहरे साधु-संत सेनाचार्य अंचलन्दाचार्य महाराज के प्रेमदास महाराज के नेतृत्व में जुलूस के रूप में सप्त ऋषि घाट पहुंचे जंहा शाही स्नान के बाद संत राम धूनी करते हुए सरोवर की परिक्रमा लगाई।

चंद्रभागा मेला शुरू: पर्यटन विभाग की ओर से धार्मिक, सांस्कृतिक और एडवेंचर गतिविधियां प्रारंभ

कलाकारों ने बिखेरे लोक रंग, पवित्र कार्तिक स्नान आज

बेधड़क | झालावाड़

जिले झालरापाटन शहर में रविवार को प्रसिद्ध चंद्रभागा मेले का रंगारंग शुभारंभ हुआ। इस दौरान लोक कलाकारों ने लोक कलाओं की प्रस्तुतियों से माहौल में उत्सवी रंग भर दिए।

पर्यटन विभाग की ओर से मेले की शुरुआत के साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पर्यटकों के लिए एडवेंचर गतिविधियां भी शुरू कर दी हैं। राज्य स्तरीय मेले में पहले दिन ही लोगों की खासी चहल-पहल नजर आई। मेले में तीन दिन तक यहां मनोरंजक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। कार्यक्रमों की शुरुआत में रविवार शाम को पर्यटन विभाग की ओर से झालरापाटन शहर में शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र बनी रही। द्वारकाधीश मंदिर परिसर से निकाली गई शोभायात्रा में बैंड बाजों के साथ घुड़सवार, भपंग वादक भपंग बजाते हुए, कालबेलिया कलाकार, चकरी नृत्य, लोक कलाकार बिंदोरी नृत्य के साथ अपनी प्रस्तुतियां देते हुए चल रहे थे।

शोभायात्रा में महिलाएं व सजी-धजी स्कूली बालिकाएं सिर पर मंगल कलश लिए चल रही थीं। कस्बे के प्रबुद्ध जन,विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, स्काउट गाइड भी इसमें शामिल हुए।

शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्ग से होकर चंद्रभागा नदी पर पहुंचकर संपन्न हुई।

मेले में आज ये होंगे कार्यक्रम

मेले के दूसरे दिन सोमवार को सुबह 8:30 बजे गढ़ पैलेस से गागरोन किले तक साइकिल रैली, पर्यटन स्थल के साइड सीन, सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मेला मैदान पर हाट बैलून तथा गागरोन किले पर रैपलिंग, जिपलाइन, रिवर क्रॉसिंग, ट्रामपॉलिन, दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक मेला मैदान पर मूंछ, रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता, शाम 6 बजे गोमती सागर तालाब के तट पर पतंगबाजी, शाम 7:30 बजे से मेला मैदान रंग मंच पर रंगीलो झालावाड़ सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा।

चंद्रभागा नदी में आज स्नान को उमड़ेंगे श्रद्धालु

कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को मोक्षदायनी चंद्रभागा नदी लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान कर दान पुण्य करेंगे। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर यहां श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा नजर आएगा। झालरापाटन चंद्रमोलेश्वर सूर्य मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करेंगे। झालावाड़ जिले से ही नहीं बल्कि सीमावर्ती कोटा वह बारां जिले के अलावा मध्य प्रदेश से भी लोग यहां चंद्रभागा नदी पर कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र स्नान करने पहुंचते हैं। पवित्र स्थान व पूजा अर्चना के बाद लोग मेला मैदान पर जाकर चंद्रभागा मेले का आनंद उठाएंगे।

फायरिंग से सहमे लोग, शांतिभंग के आरोप में 16 गिरफ्तार

चुनावी रंजिश में दो पक्ष भिड़े दोनों गुटों ने बरसाए ईंट-पत्थर

बेधड़क | डीग

राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर हुए मतदान के बाद रविवार को डीग जिले में चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। दो पक्षों के बीच जमकर ईट-पत्थर चले। इसके चलते माहौल तनावपूर्ण हो गया।

मारपीट के बीच फायरिंग भी की गई। गोलियों की आवाज से लोग सहम गए। मामला डीग जिले के सीकरी थाना इलाके के महरायपुर (सिंघावली) गांव में चुनावी रंजिश में दो पक्षों में जमकर पथराव हुआ। शनिवार को मतदान के दौरान भाजपा-कांग्रेस के समर्थक पोलिंग बूथ पर भिड़ गए थे।

इसके बाद शनिवार रात और रविवार सुबह करीब 11 बजे गांव में जमकर पथराव किया गया। इस बीच फायरिंग भी हुई। हंगामे के बीच धार्मिक स्थल को भी नुकसान पहुंचा। घटना के बाद से पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला। डीग एएसपी गुमना राम ने बताया कि सीकरी थाना इलाके के सिंघावली-महरायपुर में दो पक्षों का चुनावी विवाद सामने आया है। रविवार सुबह करीब 11 बजे पथराव की सूचना पर पुलिस दोपहर करीब 12 बजे पहुंची। गांव में एटीएफ सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों और जवानों ने इलाके में फ्लैग मार्च भी निकाला।

उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों से समझाइश की गई है। वहीं 16 लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है। हंगामे की सूचना पर एसडीएम, एडिशनल एसपी व अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

गलियों में बिखरे दिखे पत्थर

चुनावी रंजिश में हुई मारपीट और पथराव के महारायपुर गांव के कुछ वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में गांव की गलियों और छतों पर पत्थर बिखरे नजर आ रहे हैं। गांव के लोगों ने उपद्रवियों की ओर से फायरिंग करने की बात भी कही। मौके से कारतूस का खोल भी मिला है। उधर, दोपहर करीब तीन बजे नगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी जवाहर सिंह बेडम समर्थकों के साथ गांव पहुंचे और लोगों से बात की।

बूथ कैप्चरिंग का प्रयास और फर्जी मतदान का आरोप

सीकरी थाने में दर्ज रिपोर्ट में गांव के महावीर सैनी ने बताया है कि शनिवार को महरायपुर निवासी कैलाश माध्यमिक स्कूल में बने मतदान केंद्र पर भाजपा प्रत्याशी जवाहर सिंह बेडम के पोलिंग एजेंट के रूप में तैनात था। कैलाश ने आरोप लगाया कि दोपहर 2 से 3 बजे के बीच गांव के ही मामूर ने कांग्रेस प्रत्याशी वाजिब अली के पक्ष में फर्जी मतदान कराया। कैलाश ने मामूर को रोका तो उसने जावेद, जाहिद, परवेज, जाकिर, आसिफ, गुल्लू अरशद, इस्लाम, राहुल, लियाकत, हासन, जुबैर, कासम, छोटा सहित करीब 20 लोगों को मौके पर बुला लिया। कुछ लोगों के पास हथियार थे। इनमें से एक ने कैलाश के पैर पर लाठी मारी और दूसरे ने गाल पर चाकू मार दिया। कुछ और लोग कैलाश पर टूट पड़े और लात-घूंसे बरसाए। कैलाश के साथी बचाने आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। आरोपियों ने मौके पर हवाई फायरिंग की और मतदाताओं को धमकाया। कुछ देर में मौके पर पुलिस आ गई तो मामला शांत हो गया। शाम को आरोपियों ने गांव में पथराव किया।

बुजुर्ग पर लाठी डंडों से हमला

धौलपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव के दूसरे दिन रविवार को धौलपुर चुनावी रंजिश को लेकर बुजुर्ग पर हमले का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि वोट नहीं देने पर एक पार्टी के समर्थकों ने सुरेश ठाकुर (60) पर हमला कर लाठी-डंडों से हाथ-पैर तोड़ दिए। लोगों ने बसपा प्रत्याशी के समर्थकों पर हमले का आरोप लगाया है। घटना से आक्रोशित लोगों की भीड़ ने सड़क जाम कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। मामला धौलपुर के कंचनपुर इलाके का है। उधर, बसपा प्रत्याशी जसवंत सिंह गुर्जर ने इस मामले को लेकर पार्टी पर लगाए गए आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि सिकरौंदा गांव में जो झगड़ा हुआ, वह उन लोगों का पुराना मामला है। मेरा या मेरी पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। सभी लोग मेरे अपने हैं।

लोगों में रोष, बंद रहे बाजार

परिवार सहित जा रहे बेणेश्वरधाम के महंत हमले में गंभीर घायल

बेधड़क | डूंगरपुर

आदिवासी अंचल का प्रसिद्ध तीर्थ बेणेश्वर धाम के महंत अच्युतांनद महाराज की कार पर कुछ बदमाशों ने शनिवार रात पत्थरो से हमला बोल दिया। उस समय कार में महंत के साथ उनकी पत्नी और दो बच्चे भी मौजूद थे।

हमले में कार के साइड के शीशे को तोड़कर पत्थर महंत के मुंह पर जा लगा। इससे उनके मुंह व जबड़े पर चोट आई और खून बहने लगा। गंभीर हालत में महंत अच्युतानंद को उनके अनुयायियों ने सागवाड़ा के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां से देर रात उन्हें अहमदाबाद के लिए रेफर कर दिया गया। महंत पर हमले को लेकर सर्वसमाज के लोगों में आक्रोश दिखा। स्थानीय व्यापारियों ने हमले की घटना के विरोध में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार को साबला कस्बा बंद रखा। लोगों ने रैली निकालकर घटना के विरोध में आक्रोश जताया। सरोदा थानाधिकारी सुनील चावला ने बताया कि बेणेश्वर धाम के महंत अच्युतानंद शनिवार को अपने घर सरोदा गए थे। रात को महंत, उनकी पत्नी और बच्चे कार से बेणेश्वर धाम जाने के लिए निकले थे। सरोदा के पास पुलिया पर रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार पर पथराव कर दिया। हमले के बाद बदमाश मौके से भाग गए। थानाधिकारी ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी है। बदमाशों की तलाश की जा रही है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आदिवासी अंचल की आस्था का धाम

बेणेश्वर धाम आदिवासी अंचल डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और उदयपुर का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल और लोगों की आस्था का धाम है। यह सोम, माही और जाखम नदियों का संगम स्थल भी है। महंत अच्युतानंद बेणेश्वर धाम के 9वें पीठाधीश्वर हैं। बेणेश्वर धाम से मेवाड़, वागड़ समेत गुजरात, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश क्षेत्र के लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। माघ पूर्णिमा पर हर साल राष्ट्रीय जनजाति मेला भरता है, जिसमें देशभर से श्रद्धालु आते हैं।

बकरी चराने पहुंचे बच्चों ने देखा तो परिजनों को दी जानकारी

पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल के शव

बेधड़क | डूंगरपुर

जिले में प्रेमी युगल की ओर से एक ही पेड़ पर फंदे से झूलकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। युवक-युवती ने एक ही चुन्नी के फंदा बनाकर पर जान दे दी। गांव के कुछ बच्चे भाटड़ा राता घाटा जंगल में पशु चराने गए बच्चों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। खबर आग की तरह गांव में फैल गई।

पेड़ पर लटके शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। चौरासी थाना पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए चौरासी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। यह घटना डूंगरपुर के चौरासी गांव की है। चौरासी थाना पुलिस ने बताया कि रविवार को छुट्टी होने के चलते गांव के कुछ बच्चे भाटड़ा राता घाटा जंगल में पशु चराने गए थे। इस दौरान जंगल में बच्चों ने एक पेड़ पर एक ही रस्सी से युवक-युवती को झूलते हुए देखा। बच्चों ने भागकर अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि मृतक युवक की पहचान रंगेला और युवती की पहचान दुधेली का भाटड़ा निवासी के रूप में हुई है।

पुलिस ने दोनों के परिजनों को मामले की सूचना दी। इसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे। पुलिस की शुरुआती जांच में सुसाइड के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है। फिलहाल, परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट पुलिस को नहीं दी गई है।

संतों की मौजूदगी में ओमप्रकाश दास की हुई चादरपोशी

दादू पीठाधीश्वर हुए पंचतत्व में विलीन

बेधड़क | दूदू

दादू मठ के 20वें पीठाधीश्वर महंत गोपाल दास महाराज रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। रविवार दोपहर करीब 2:15 बजे दादू बाग में पूर्व पीठाचार्यो के समाधि स्थल के पास महंत गोपाल दास का अंतिम संस्कार किया गया।

वहीं अंत्येष्टि से पहले 11 संतों की मौजूदगी में सर्वाधिकारी ओम प्रकाश दास महाराज की 21वें पीठाधीश्वर के रूप में चादरपोशी की गई। इसके बाद महंत गोपाल दास की अंतिम यात्रा नरैना के मुख्य मार्गों से गुजरी। अंतिम यात्रा में भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए। महंत गोपाल दास काफी समय से बीमार चल रहे थे। जयपुर के हॉस्पिटल में शनिवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। साधकों के दर्शन के लिए पूर्व पीठाधीश्वर आचार्य जयतराम महाराज की बारहदरी में उनकी पार्थिव देह रखी गई।

सीकर के जाट परिवार में हुआ था जन्म

दिवगंत गोपाल दास महाराज का जन्म सीकर के विद्यासर के पास कंवरपुरा पालवास गांव में जाट परिवार में हुआ था। जानकारी के अनुसार मठ के 19वें पीठाचार्य हरिराम महाराज भक्तों के साथ भ्रमण करते हुए गोपाल दास के गांव पहुंचे। उनकी चंचलता और मुख पर तेज देख उनके माता-पिता को 10 साल के गोपाल दास को साथ भेजने को कहा और अपने शिष्य के रूप में नरैना दादू मठ ले आए। गोपाल दास की शिक्षा-दीक्षा यहीं हुई थी। गोपाल दास महाराज ने 17 जुलाई 2001 को दादू पीठाधीश्वर के रूप में गद्दी संभाली थी।

देवदर्शन पर निकलीं पूर्व सीएम वसुंधरा राजे

त्रिपुरा सुंदरी व गौतमेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना की

■ राजे बोलीं- चुनाव की व्यस्तता के चलते नहीं आ पाई थी मंदिर

बेधड़क | प्रतापगढ़

विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे देवदर्शन यात्रा पर निकलीं हैं। राजे ने रविवार को प्रतापगढ़ जिले के गौतमेश्वर महादेव मंदिर और बांसवाड़ा जिले के त्रिपुरा सुंदरी माता मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान वसुंधरा ने कहा कि वे चुनावी व्यस्तता के कारण मंदिर नहीं आ पाई थीं, इसलिए रविवार को पूजा-अर्चना की।

वसुंधरा राजे को ऐसे वक्त में मंदिरों के दर्शन करते हुए देखा गया है जब राज्य में शनिवार को ही विधानसभा चुनाव के तहत मतदान कराया गया है। पूर्व सीएम राजे ने सबसे पहले प्रतापगढ़ के गौतमेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। यहां उन्होंने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। इस दौरान विद्वानों ने वेदमंत्र के बीच पूजा-अर्चना करवाई।

रूद्र पाठ के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक कराया गया। इसके बाद वसुंधरा राजे बांसवाड़ा जिले में पहुंचीं। वे प्रसिद्ध त्रिपुरा सुंदरी मंदिर गईं और मंदिर के गर्भगृह में देवी त्रिपुर सुंदरी की पूजा-अर्चना कर धोक लगाई। मंदिर में मौजूद पुजारी ने राजे को पूजा करवाई।

राजे करीब 15 मिनट तक मंदिर में रहीं। राजे के साथ चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा से पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिलों के पार्टी उम्मीदवार भी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे।

सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीरें

दोनों मंदिरों में पूजा अर्चना के बाद वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर मंदिर दर्शन की तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने कहा 'बीते दिनों चुनावी दौरों की व्यस्तता के चलते गौतमेश्वर महादेव मंदिर की यात्रा नहीं कर पाई थीं। इसलिए अरनोद, प्रतापगढ़ स्थित अति प्राचीन श्रीगौतमेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर दर्शन एवं पूजन किया। यहां महादेव से सभी के सुख स्वास्थ्य की मंगल कामना की।' गौरतलब है कि वसुंधरा राजे झालरापाटन से चुनाव लड़ रही हैं। वसुंधरा पांच बार विधायक रह चुकी हैं। इनमें से चार बार उन्होंने झालरापाटन सीट का प्रतिनिधित्व किया है। वे दो बार राजस्थान की सीएम रह चुकी हैं।

BJP कार्यकर्ता की हत्या पत्थर से सिर कुचला

बेधड़क | उदयपुर

जिले के फलासिया थाना इलाके में एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने है। शनिवार रात विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद अज्ञात लोगों ने उस पर पत्थर से हमला कर हत्या कर दी। मृतक भाजपा कार्यकर्ता बताया जा रहा है। इस मामले में भाजपा नेताओं और परिजनों ने मामले का जल्द खुलासा कर आरोपियों को पकड़ने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव की वोटिंग खत्म होने के बाद अज्ञात लोगों ने कांतिलाल (45) की पत्थरों से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने के साथी बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन और पुलिस के आलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम और पुलिस अधिकारियों ने मामले की जानकारी ली और साक्ष्य जुटाए।

स्थानीय लोगों के अनुसार कांतिलाल का शव घर से करीब 300 मीटर दूर एक नाले में पड़ा हुआ मिला। उसका मुंह और पूरा जबड़ा पत्थर से कुचला हुआ था। ऐसे में चुनावी रंजिश के चलते हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद झाड़ोल-कोटड़ा से भाजपा विधायक बाबूलाल खराड़ी, फलासिया भाजपा मंडल अध्यक्ष भोपालसिंह शक्तावत व अन्य लोग मौके पर पहुंचे। भाजपा पदाधिकारी ने घटना को लेकर आक्रोश बताया और जल्द आरोपियों के गिरफ्तार की मांग उठाई।

विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री गहलोत की सीट पर वोटिंग में बढ़ोतरी, वसुंधरा की सीट पर गिरावट

प्रदेश की 58.8 प्रतिशत सीटों पर बढ़ा मतदान, 41.2 फीसदी पर गिरा आंकड़ा

बेधड़क । जयपुर

प्रदेश की जनता ने इस बार दिल खोलकर लोकतंत्र के यज्ञ में अपने हिस्से की आहुति डाली हैं। विधानसभा चुनाव में मत प्रतिशत ने इस बार पिछले 56 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पूरे प्रदेश में 75.45 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग कर सरकार की तकदीर लिखी है।

प्रदेश में वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोतरी के बावजूद 199 सीटों में से 117 सीटों पर ही मतदान का आंकड़ा पिछले चुनाव से बढ़ा है। 82 सीटों पर मतदान पिछली बार से कम हुआ है। बढ़े हुए मतदान की बात करें तो बसेड़ी, तारानगर, आसपुर, गंगापुर व धौलपुर टॉप 5 सीटें हैं। वहीं फलोदी, हिंडौन, जैसलमेर, दौसा व बानसूर में मतदान प्रतिशत सबसे ज्यादा नीचे गिरा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सीट सरदारशहर पर इस बार 0.41 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं वहीं भाजपा नेता वसुंधरा राजे की सीट झालरापाटन पर 0.26 प्रतिशत की गिरावट आई है। भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की सीट तारानगर पर पिछले चुनाव से 7.65 फीसदी वोट अधिक पड़े हैं वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट की सीट टोंक में वोटों को आंकड़ा 2.17 प्रतिशत नीचे गिरा है। वोटिंग प्रतिशत के आधार पर प्रदेशभर में चुनाव नतीजों को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं।

बसेड़ी	9.6	धरियावद	2.40	बारां	1.69	कुंभलगढ़	0.71
तारानगर	7.65	भादरा	2.34	आदर्शनगर	1.63	रानीवाड़ा	0.63
आसपुर	7.01	सलुम्बर	2.32	मालवीयनगर	1.59	बायतू	0.62
गंगापुर	5.79	सवाईमाधोपुर	2.31	सांगोद	1.53	सीकर	0.58
धौलपुर	5.54	सोजत	2.29	खानपुर	1.51	सुमेरपुर	0.55
किशनपोल	5.09	करौली	2.24	नदबई	1.51	शाहपुरा	0.55
पिपल्दा	4.51	कोटा द.	2.24	सांगानेर	1.49	गोगुंदा	0.54
राजाखेड़ा	4.34	बांदीकुई	2.21	पचपदरा	1.48	वल्लभनगर	0.51
चौरासी	4.30	डूंगरपुर	2.17	बूंदी	1.48	बागीदौरा	0.51
मांडल	4.27	विराटनगर	2.08	खंडार	1.46	अंता	0.50
खंडेला	4.08	किशनगंज	2.08	मसूदा	1.41	लाडपुरा	0.48
तिजारा	4.03	किशनगढ़	2.05	उदयपुर ग्रा.	1.39	सरदारशहर	0.41
नगर	3.90	नवलगढ़	2.04	झुंझुनू	1.34	डग	0.39
हवामहल	3.64	कुशलगढ़	2.03	पिंडवाड़ा	1.32	उदयपुर	0.35
मालपुरा	3.63	हिंडौली	2.00	छबड़ा	1.16	घाटोल	0.32
अजमेर उ.	3.61	डीडवाना	1.99	बाड़मेर	1.14	बेगूं	0.32
भीम	3.59	केशोरायपाटन	1.98	शाहपुरा	1.08	कोटा उ.	0.30
शिव	3.51	बाली	1.96	खाजूवाला	0.99	पोकरण	0.29
सपोटरा	3.47	दूदू	1.90	सिविल लाइंस	0.99	ओसियां	0.29
नोहर	3.36	खेरवाड़ा	1.88	सहाड़ा	0.94	लूणकरणसर	0.28
देवली-उनियारा	3.00	आसींद	1.88	मांडलगढ़	0.92	सिरोही	0.25
ब्यावर	2.96	लाडनू	1.87	किशनगढ़ बास	0.87	रामगंजमंडी	0.24
नाथद्वारा	2.81	दांतारामगढ़	1.86	मारवाड़ जं.	0.87	बीकानेर प.	0.22
विद्याधरनगर	2.73	नावां	1.80	जहाजपुर	0.86	सांचोर	0.15
सागवाड़ा	2.70	वैर	1.78	बामनवास	0.86	डीग-कुम्हेर	0.15
केकड़ी	2.60	प्रतापगढ़	1.78	परबतसर	0.84	निंबाहेड़ा	0.11
सूरसागर	2.50	मुंडावर	1.74	कठूमर	0.78	चित्तौड़गढ़	0.10
फुलेरा	2.50	जोधपुर	1.71	मंडावा	0.77	पुष्कर	0.10
लक्ष्मणगढ़	2.45	जालोर	1.70	लालसोट	0.74	खेतड़ी	0.08

उदयपुरवाटी	-0.11	निवाई	-0.76	सादुलपुर	-2.10
बांसवाड़ा	-0.14	राजसमंद	-0.78	टोंक	-2.17
कोटपूतली	-0.16	अलवर शहर	-0.80	बिलाड़ा	-2.28
गढ़ी	-0.17	बाड़ी	-0.91	सूरतगढ़	-2.29
चोहटन	-0.18	अलवर ग्रा.	-0.95	नोखा	-2.39
कोलायत	-0.22	मेड़ता	1.02	भोपालगढ़	-2.39
चौमूं	-0.24	जैतारण	-1.05	हनुमानगढ़	-2.53
झालरापाटन	-0.26	राजगढ़-लक्ष्मणगढ़	-1.10	थानागाजी	-2.53
भरतपुर	-0.27	सिवाना	-1.10	रायसिंहनगर	-2.64
बड़ी सादड़ी	-0.27	रेवदर	-1.12	श्रीमाधोपुर	-2.65
आहोर	-0.29	नसीराबाद	-1.33	आमेर	-2.73
बगरू	-0.31	जायल	-1.38	कपासन	-2.86
पाली	-0.32	सुजानगढ़	-1.38	सादुलशहर	-2.91
नीमकाथाना	-0.32	गंगानगर	-1.43	धोद	-2.96
बयाना	-0.33	सिकराय	-1.44	सांगरिया	-3.01
पिलानी	-0.39	चाकसू	-1.45	लूणी	-3.01
बहरोड़	-0.44	लोहावट	-1.46	अनूपगढ़	-3.03
झोटवाड़ा	-0.45	रतनगढ़	-1.51	फतेहपुर	-3.07
बीकानेर पू.	-0.49	पीलीबंगा	-1.53	नागौर	-3.34
भीनमाल	-0.52	रामगढ़	-1.63	कामां	-3.62
सरदारपुरा	-0.54	जमवारामगढ़	-1.64	सूरजगढ़	-3.75
चूरू	-0.55	खींवसर	-1.75	शेरगढ़	-3.89
अजमेर द.	-0.60	डूंगरगढ़	-1.77	बानसूर	-4.11
मावली	-0.63	महुवा	-1.87	दौसा	-4.21
झाड़ोल	-0.63	गुढामालानी	-1.88	जैसलमेर	-4.79
मनोहरथाना	-0.64	बस्सी	-2.01	हिंडौन	-6.10
डेगाना	-0.66	मकराणा	-2.07	फलोदी	-7.15
टोडाभीम	-0.72				

बिहाइंड द कर्टेन

हर कोई हैरान, टनल में फंसे अनुमान

बरसात ने माहौल ठण्डा कर दिया। रही-सही गर्मी नफे-नुकसान के आकलन ने निकाल दी। हर सीट से फीडबैक लिया जा रहा है। बूथ वाइज आंकड़े। मतदान प्रतिशत। इसी पर सारा दारोमदार। महिलाओं का वोट किसे गया। पहली बार वोट डाल रहे युवाओं के मन में क्या था। जातियों का रुख क्या रहा। गारंटियों का कितना असर होगा। जिले-दर-जिले, सीट-दर-सीट जिताऊ उम्मीदवारों की गिनती। टेंशन बढ़ती जा रही है। क्लीयर मेजोरिटी मिलेगी। या बुरी तरह हार जाएंगे। क्या तीसरा मोर्चा निर्णायक भूमिका में आएगा। कितने निर्दलीय और बागी जीतेंगे या अपनी पार्टी की नाव डुबो देंगे। पेंडुलम स्टेट का ठप्पा लगा है। क्या इतिहास दोहराया जाएगा। पिछले तीस साल में हर बार सरकार बदली। मतदान प्रतिशत घटने या बढ़ने से कोई फर्क नहीं पड़ा। ये प्रथा इस बार टूटेगी क्या। अलग-अलग ओपीनियन। उनकी संभावनाएं। मोटे तौर पर मुकाबला दो मुख्य पार्टियों के बीच रहा है। चेहरे भी दो ही नजर आ रहे थे। चुनाव अभियान के दौरान कोई लहर नजर नहीं आई। अब कई सवाल हवा में तैर रहे हैं। एक सवाल तो चुनाव की शुचिता पर है। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का प्रयास। नफरती भाषा। 692 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी, शराब, अफीम और ड्रग्स जब्ती। पिछले चुनाव की तुलना में 970 फीसदी से अधिक। अंदाज लगा सकते हैं कि उम्मीदवारों ने कितना पैसा बहाया होगा। बीस हजार से अधिक आचार संहिता उल्लंघन की शिकायतें। हर कोई कन्फ्यूज्ड। रहस्य का आवरण बना हुआ है। सारे अनुमान टनल में फंसे हुए हैं। राजस्थान तो है ही, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम का जवाब भी तीन दिसंबर को ही मिलेगा। चुनाव लड़ने और लड़वाने वालों को परिणाम का अनुमान हो ही जाता है। तो क्या नेताओं को इसकी भनक मिल गई है क्या? हो सकता है ये तारीख देश की राजनीति में टर्निंग पॉइंट साबित हो। कई संभावनाएं हैं। नतीजों पर नेताओं का रिएक्शन देखना भी मजेदार होगा। जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा। श्रेय कौन लेगा या हार का ठीकरा किसके सिर फूटेगा। इंतजार करना पड़ेगा।

■ यायावर

थड़ी पॉलीटिक्स

चुपचाप 3 तारीख का इंतजार करो, जो हुआ है सामने आ जाएगा

स्थान छोटी चौपड़ **समय** शाम 4:40 बजे

जयपुर

महीनों से चल रहा चुनावी शोर आखिरकार वोटिंग के बाद थम गया है। दो-चार दिन पहले ही बंद हुआ चुनावी शोर अभी भी लोगों के कानों में गूंज रहा है। दिखने में सब शांत है, पर नेताओं से लेकर जनता तक के मन में खलबली सी मची है। कहने को परिणाम का इंतजार एक सप्ताह का है लेकिन यह एक सप्ताह निकालना सबके लिए भारी हो रहा है। ऐसे में अभी कयासों का सहारा है। हर कोई राजनीतिक विश्लेषक बना हुआ है। कोई प्रचार के दौरान हुई नेताओं की रैलियों, सभाओं, रोड शो के आधार पर तो कोई मतदान के दिन बूथ के माहौल के आधार पर अपना रिजल्ट सुना रहा है। कोई मतदान प्रतिशत को धुरी बना उस पर सीटों की गणित की फिरकी घुमा रहा है। किसी का कहना है बदलाव होगा, किसी का कहना है रिवाज कायम रहेगा। किसी को प्रदेश का भविष्य 'खिचड़ी' में दिखाई दे रहा है। जो भी हो, 3 दिसंबर तक तो कयास ही लगाए जा सकते हैं। तो, जनता के बीच चलने वाले कयासों से प्रदेश की सत्ता का रुख भांपने हम पहुंचे हैं छोटी चौपड़ खंदे में स्थित एक चाय की थड़ी पर। यहां कुछ स्थानीय लोग चाय की चुस्कियां ले रहे हैं। चुनाव निपटा है तो जाहिर है चर्चा का टॉपिक चुनाव ही है-"भाई, अब तो सब बंद हो गया मशीन में। पर इस बार तो जनता ने जोश दिखा दिया। शादियों के सीजन में भी पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लगता है इस बार फिर वो ही सिस्टम चलेगा हर बार चेंज वाला।" एक तरफ से बात शुरू हुई तो दूसरे को नागवार गुजरी-"ये कोई बात नहीं हुई यार, ज्यादा वोट डले हैं तो उससे क्या फर्क पड़ जाएगा। हो सकता है ज्यादा लोगों ने इसी सरकार को वोट दिए हों। पुराना ट्रेंड हर बार काम करे ये तो कोई जरूरी नहीं है। और पिछली बार से ज्यादा भी कितना है, नाममात्र का।" बात सही थी तो तीसरी ओर से भी इस पर मोहर लगाई गई- "हां भाई, हर सीट की अलग कहानी है। 199 में से हर सीट पर तो वोट बढ़े नहीं हैं। हां, अगर पूरा राजस्थान एक ही सीट होता तो कोई अंदाजा लगा सकते थे, पर इतनी सीटों पर वोटर क्या सोचकर वोट डालकर आया है ये कौन अंदाजा लगाएगा। और पिछले कुछ सालों से तो सारे अंदाजे फेल ही हो रहे हैं। सबसे बेस्ट है चुपचाप 3 तारीख का इंतजार करो, जो हुआ है सब सामने आ जाएगा। पर सामने आएगा कुछ ऐसा ही जो किसी ने नहीं सोचा होगा।" और हंसी-ठहाकों के साथ बातचीत समाप्त हुई।

पॉली क्लिक्स

राहत के पल

मतदान के बाद प्रदेश के सभी नेता कुछ आराम के मूड में हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार को भाजपा की कुछ पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान इन पदाधिकारियों ने राजे को कमल के फूल भेंट कर प्रदेश चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन का भरोसा जताया। वसुंधरा ने इन महिला कार्यकर्ताओं के चुनावी माहौल के अनुभव साझा किए।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

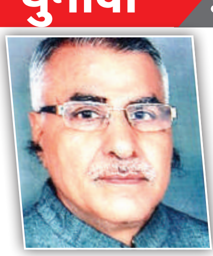

■ गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

होती न होता, तो होनी न होती टूटती न माला, बिखरते न मोती

परम्परागत राजपूताना के एकीकरण के साथ कांग्रेस नेताओं की धड़ेबंदी के चलते राजस्थान के गांधी कहे जाने वाले मास्टर आदित्येन्द्र गुट के नेतृत्व में जनता मोर्चा को भरतपुर जिले में कांग्रेस के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ने की नौबत आ गई। यह प्रभाव इतना महत्वपूर्ण हो गया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लालबहादुर शास्त्री को हस्तक्षेप करना पड़ा।

यही नहीं कांग्रेस छोड़ने की घोषणा के लिए आयोजित सभा एक राजनेता के आकस्मिक निधन का कारण बनी। इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि समझने के लिए हमे इतिहास के कुछ पृष्ठ पलटने होंगे। अजमेर विलय के अलावा 30 मार्च 1949 को राजस्थान का एकीकरण हुआ। संविधान के तहत प्रथम आम चुनान के पश्चात पहली राज्य विधानसभा का गठन 29 फरवरी 1952 को हुआ। इस अवधि में प्रदेश की पहली लोकप्रिय सरकार को राजप्रमुख सवाई मानसिंह ने 7 अप्रैल 1949 को शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री हीरा लाल शास्त्री बने। तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोकुल भाई भट्ट उनके समर्थक थे। वहीं जोधपुर के जयनारायण व्यास एवं माणिक्यलाल वर्मा का विरोधी गुट था। शासन सत्ता की आपसी खींचतान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 9 जून 1949 को हीरालाल शास्त्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया। राजनैतिक परिस्थितियां इतनी प्रबल हुई कि शास्त्री मंत्रिमंडल ने 5 जनवरी 1951 को त्यागपत्र दे दिया। अंतरिम तौर पर आईसीएस अधिकारी सी एस वैंकटाचारी को मुख्यमंत्री बनाया गया। जयनारायण व्यास के नेतृत्व में 26 अप्रैल 1951 को गठित मंत्रिमंडल ने पहली विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने जाने पर तक 3 मार्च 1952 तक कार्यभार संभाला।

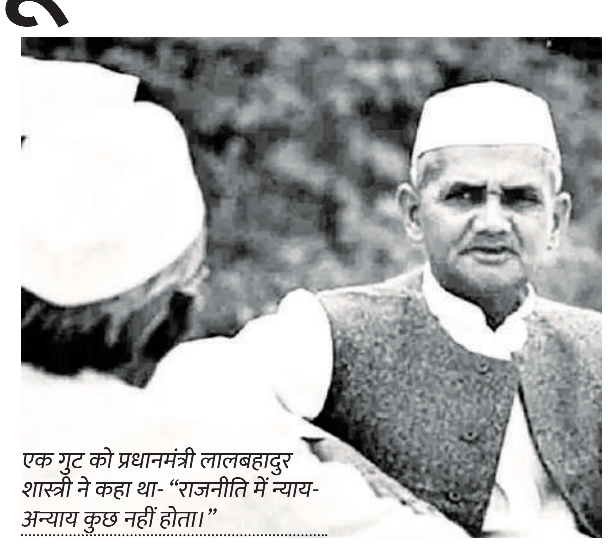

एक गुट को प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने कहा था- "राजनीति में न्याय-अन्याय कुछ नहीं होता।"

टीकाराम पालीवाल के निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री बनने, उपचुनाव में जीते जयनारायण व्यास के पुनः मुख्यमंत्री बनने और नेता पद के लिए देश में पहले मुकाबले में मोहन लाल सुखाड़िया की व्यास जी पर आठ मतों की जीत से जुड़ी कहानी से अब हम मूल घटनाक्रम से जुड़ते हैं।

घोषणा करते हुए आ गया था पक्षाघात

वर्ष 1962 में तीसरे आम चुनाव के समय राजनैतिक परिस्थितियां बदली हुई थी। इससे पिछले चुनाव में सुखाड़िया गुट को मिले 72 टिकटों के विरोध में मास्टर आदित्येन्द्र गुट के सदस्यों ने टिकट वापस कर दिए थे। अब वही सुखाड़िया अपने विरोधी राजबहादुर के साथ मिलकर भरतपुर में प्रतिद्वंदी मास्टर आदित्येन्द्र गुट के लोगों के टिकट कटवाने में लगे थे जबकि वह अखिल भारतीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य थे। गुट के प्रमुख सदस्य नत्थीसिंह के अनुसार पार्टी हाईकमान के निर्देश पर शास्त्री जी ने दोनों गुटों में समझौता कराने के प्रयास किए लेकिन बात बनी नहीं। इस गुट ने लालबहादुर शास्त्री से न्याय की गुहार की तो उनका जवाब था कि राजनीति में न्याय-अन्याय कुछ नहीं होता। कांग्रेस आलाकमान के रवैये से नाराज भरतपुर जिले के लगभग 80 प्रतिशत कांग्रेसजनों तथा स्वतंत्रता सेनानियों ने कांग्रेस छोड़ने का निर्णय किया। भरतपुर के प्रमुख लक्ष्मण मंदिर के सामने आम सभा में 6 दिसम्बर 1961 को मास्टर आदित्येन्द्र ने कांग्रेस छोड़ने के निर्णय की घोषणा की। बकौल नत्थीसिंह सभा में भाषण करते समय भावुक हुए गोपीलाल यादव को पक्षाघात हुआ और कुछ दिन बाद अस्पताल में उनका निधन हो गया। चुनाव में जिले के नौ विधानसभा क्षेत्रों में कामां के अलावा सभी आठ सीटों पर कांग्रेस पराजित हुई। भरतपुर से तराजू चुनाव चिह्न पर नत्थीसिंह तीन हजार से अधिक मतों से होतीलाल पर जीत न्याय की प्रतीक बनी। इससे पिछले चुनाव में विरोधी गुट ने कांग्रेस प्रत्याशी नत्थीसिंह के खिलाफ निर्दलीय होतीलाल को खड़ा किया था जो केवल छह मतों से चुनाव जीते थे। उस समय पार्टी में विघटन से कांग्रेस की दुर्दशा पर गीतकार घनश्याम सिंह निडर की यह रचना लोकप्रिय हुई थी "होती न होता तो होनी न होती। टूटती न माला, बिखरते न मोती।"

कवि हरिवंश राय बच्चन के जन्मदिवस पर विशेष

मैं मादकता नि:शेष लिए फिरता हूं...

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

'जीवित है तू आज मरा सा, पर मेरी यह अभिलाषा/चिता निकट भी पहुंच सकूं अपने पैरों-पैरों चलकर।' यह पक्तियां दर्शाती हैं कि हरिवंश राय बच्चन किस जिजीविषा, जीवटता के कवि-गीतकार थे। छायावाद के बाद जब प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना हो गई थी और कविता में नित्य नए-नए प्रयोग हो रहे थे, वो हरिवंश राय बच्चन ही थे, जिन्होंने किसी भी धारा में न बहते हुए अपनी एक जुदा राह बनाई। निःसंदेह बच्चन हालावाद के प्रवर्तक थे। हाला को जीवन का प्रतीक बनाकर, उन्होंने अपनी कविताओं में जो जीवन दर्शन दिया, वह पाठकों के सामने मधुशाला के रूप में आया। बच्चन की कविताओं में हाला जीवन की कटुताओं, विषमताओं, कुंठाओं तथा अतृप्तियों के विरुद्ध प्रतिक्रिया स्वरूप आई। हाला जीवन के विक्षोभ को प्रकट करने का साधन और रूढ़िवादियों, सम्प्रदायवादियों एवं धर्म के ठेकेदारों पर चोट करने का उनका प्रमुख अस्त्र बन गई। हरिवंश राय बच्चन की कविताओं में शराब कहीं जीवन, कहीं मस्ती, कहीं मादकता और अद्वैतवाद का पर्याय बनकर प्रस्तुत की गई। 'घृणा का देते हैं उपदेश यहां धर्म के ठेकेदार/खुला है सबके हित, सब काल हमारी मधुशाला का द्वार।'

हरिवंश राय बच्चन पर उमर खैयाम की रुबाइयां और सूफ़ी मत का असर शुरू से ही था। सूफ़ियों के जीवन दर्शन का तो शराब एक अंग थी। हालांकि, लौकिक प्रेम के समान उसे भी 'शराबे मारिफ़त' के रूप में अलौकिक बना दिया गया था। 'बैर बढ़ाते मंदिर-मस्जिद, मेल कराती मधुशाला।' बच्चन की रचनाओं में जीवन के प्रति अनुराग है, न कि शराब पीने की हिमायत। सच बात तो यह है कि उनकी रचनाओं में हाला, प्रतीकात्मक रूप में आकर, आध्यात्मिक रहस्यों के पर्दों को खोलती है।''मैं दीवानों का वेश लिए फिरता हूं, मैं मादकता निःशेष लिए फिरता हूं/ जिसको सुनकर जरा झूम चुके लहराएं, मैं मस्ती का संदेश लिए फिरता हूं।' 'मधुशाला' का सबसे पहले प्रकाशन साल 1933 में उस समय की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका 'सरस्वती' के हीरक अंक में हुआ था। तब से लेकर आज तक इसके देश और दुनिया की तमाम भाषाओं में अनुवाद आ चुके हैं। किताब के कई संस्करण निकल चुके हैं, लेकिन मधुशाला का पाठकों के दिल-ओ-दिमाग़ पर छाया ख़ुमार आज भी तारी है। बच्चन और मधुशाला एक-दूसरे के पर्याय हैं। हरिवंश राय बच्चन अपने अध्ययन काल में 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' से भी जुड़े रहे। क्रांतिकारी भगत सिंह के प्रभाव से वे एथिस्ट बने, तो कविता और जीवन में भी उसका प्रभाव रहा। बच्चन अपनी एक कविता में कहते हैं,'दूर स्थित स्वर्गों की छाया में विश्व गया है बहलाया/ हम क्यों उन पर विश्वास करें, जब देख नहीं कोई आया/अब तो इस पृथ्वी पर ही, सुख स्वर्ग बसाने हम आए।' उन्होंने अपनी रचनाओं में सदैव धार्मिक जकड़बंदियों और कठमुल्लापन की मुख़ालफ़त की। ''पंडित, मोमिन, पादरियों के फंदों को जो काट चुका/कर सकती है आज उसी का स्वागत मेरी मधुशाला।' यही नहीं वे अपनी रचनाओं में धार्मिक रूढ़ियों, कर्मकांडों, आडंबरों का भी विरोध करते हैं। 'और चिता पर जाए उड़ेला, पात्र न घृत का पर प्याला/घट बंधे अंगूर लता में, मय न जल हो पर हाला/प्राण प्रिय यदि श्राद्ध करो तुम, मेरा तो ऐसा करना/पीने वालों को बुलवाकर, खुलवा देना मधुशाला।' आधुनिक कविता की भाषा को तद्भवमुखी बनाने में बच्चन का अमिट योगदान है। उनके गीतों में अनुभूति और कल्पना का अद्भुत संयोग है। उनके गीतों के प्राणतत्व में संगीत, वेदना और करुणा है। वहीं भाषा और भाव, शब्द और स्वर, छंद और लय, अनुभूति और अभिव्यक्ति का उचित संयोग उनकी सहज प्रमाणिक विशिष्टता है। 'मधुबाला', 'मधुकलश', 'निशा निमंत्रण', 'मिलन यामिनी', 'आकुल अंतर', 'एकांत संगीत', 'सतरंगिनी', 'विकल विश्व', 'खादी के फूल', 'सूत की माला', 'मिलन', 'दो चट्टानें', 'आरती और अंगारे' इत्यादि बच्चन की मुख्य कृतियां हैं। कविता संग्रह 'दो चट्टानें' के लिए उन्हें साल 1968 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी साल उन्हें 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' तथा एफ्रो-एशियाई सम्मेलन के 'कमल पुरस्कार' से भी सम्मानित हुए। साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में हरिवंश राय बच्चन के उल्लेखनीय कार्यों के लिए भारत सरकार ने साल 1976 में उन्हें अपने तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में वे हिन्दी विशेषज्ञ रहे। बच्चन की साहित्यिक उपलब्धियों को देखते हुए, सरकार ने उन्हें राज्य सभा का मनोनीत सदस्य बनाया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

> *"हरिवंश राय बच्चन के काव्य संग्रहों की तरह उनकी आत्मकथा, जो कि चार खंडों 'क्या भूलूं क्या याद करूं', 'नीड़ का निर्माण फिर', 'बसेरे से दूर' और 'दशद्वार से सोपान तक' शीर्षक से प्रकाशित हुई, उसने भी लोकप्रियता के कई कीर्तिमान बनाए। बच्चन की इस बेमिसाल आत्मकथा के लिए उन्हें साहित्य का प्रतिष्ठित 'सरस्वती सम्मान' भी मिला।"*

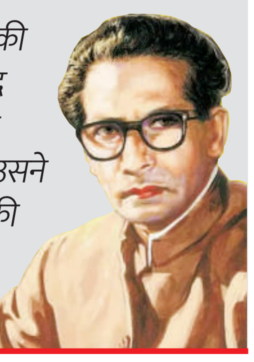

भविष्यवाणियों पर फिर गया पानी

खेल में सिर्फ जीत ही नहीं होती

निर्मल रानी
स्वतंत्र लेखिका

> *"फिजूल की बातों में इसी विश्व कप सीरिज में भारत की वह उपलब्धियां दबी रह गईं, जिसकी चर्चा भी बेहद जरूरी थी। जैसे कि इसी विश्व कप में लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल तक का सफर तय करने वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने न केवल भारतवासियों, बल्कि पूरे विश्व के खेल-प्रेमियों का दिल जीत लिया। भारतीय टीम द्वारा 10 लगातार जीतें हासिल की गईं जो भारत का किसी भी एक आईसीसी वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा लगातार जीत का नया रिकॉर्ड है।"*

विश्व कप क्रिकेट का फाइनल मैच पिछले दिनों अहमदाबाद में भारत व ऑस्ट्रेलिया के मध्य खेला गया। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेटों से पराजित कर दिया। 43 ओवरों में चार विकेट खोकर ऑस्ट्रेलिया ने भारत द्वारा बनाए गए 241 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। भारत की पूरी टीम 50 ओवरों में मात्र 240 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने 137 रन और मार्नस लाबुशेन ने 58 रनों की शानदार पारी खेली। ट्रेविस हेड को प्लेयर ऑफ द मैच जबकि विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द सीरीज़ घोषित किया गया।

जैसे जैसे ऑस्ट्रेलिया की टीम जीत के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच रही थी, स्वभाविक रूप से भारतीय टीम के प्रशंसकों में मायूसी बढ़ती जा रही थी। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों की हौसला अफ़जाई करने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल व मुख्यमंत्री आदि के साथ स्वयं स्टेडियम में मौजूद थे। इनके अतिरक्त भी राजनीति, उद्योग व सिनेमा जगत के कई चर्चित लोग भारतीय टीम की हौसला अफ़जाई के लिए स्टेडियम में उपस्थित थे। परन्तु ऑस्ट्रेलिया की सधी गेंदबाजी व बल्लेबाजी के आगे भारतीय टीम न ही अपेक्षित स्कोर खड़ाकर सकी न ही निर्धारित लक्ष्य 241 को पूरा करने से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम को आउट कर सकी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर छह विकेटों से आसान जीत हासिल कर रिकॉर्ड छठी बार वर्ल्ड कप पर कब्जा कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया के छठी बार विश्व विजेता होने के बाद जहां खेल समीक्षकों द्वारा जीत हार के तकनीकी कारणों पर रोशनी डाली गई, वहीं भारतीय क्रिकेट प्रेमियों की मायूसी से जुड़ी भी तमाम खबरों ने सुर्खियां बटोरीं। अत्यधिक विश्वास से लेकर अंधविश्वास तक से लबरेज कई समाचार देखने को मिले। कहीं खेल समाप्त होने से पहले ही टीवी स्क्रीन बंद कर दिए गए, कहीं लोगों को आंसू बहाते देखा गया, कहीं आतिशबाजियां धरी रह गईं, तो कहीं मिठाइयां बिना बंटे रखी रह गईं। अलीगढ़ में तो भारत की हार से दुखी किसी व्यक्ति ने अपना टीवी सेट ही फोड़ दिया। यह तो मैच के बाद के कुछ दृश्य थे। जबकि मैच से पहले देश के अनेक प्रमुख ज्योतिषियों व भविष्य वक्ताओं ने भारत की टीम की जीत की भविष्यवाणी कर भारतीय प्रशंसकों में जीत का भरोसा और भी जगा दिया था। परन्तु इन सब भविष्यवाणियों पर पानी फिर गया।

एक नए नवेले, विवादित व बड़बोले कथावाचक जो भविष्यवाणियां भी करते फिरते हैं, उन्होंने भी भारत के जीतने की भविष्यवाणी की थी। परन्तु खेल में जीत न तो भविष्यवाणियों से होती है न ही भाग्य भरोसे या दिशा-दशा-ग्रह-नक्षत्र आदि के भरोसे। बल्कि जो अच्छा खेलता है जीत हमेशा उसी की होती है। यही उस ऑस्ट्रेलिया के साथ भी हुआ, जिसने छठी बार वर्ल्ड कप जीत कर कीर्तिमान बनाया।

सवाल यह है कि क्या किसी भी देश की टीम के प्रशंसकों को अपने खिलाड़ियों से केवल जीत की ही उम्मीद करनी चाहिए? भविष्य वक्ताओं को क्या अधिकार है कि वे निरर्थक व अतार्किक भविष्यवाणियां कर लोगों में वह उम्मीद जगाएं जो पूरी ही नहीं होनी? देश के एक पेशेवर प्रसिद्ध हिंदी अखबार ने तो प्रथम पृष्ठ पर यह शीर्षक ही छाप मारा कि- 'आसुओं में डूबा देश'। यह आखिर कौन सी खेल पत्रकारिता का शीर्षक है? बात केवल यहीं नहीं रुकी बल्कि एक स्वयंभू 'राष्ट्रवादी गिरोह' ने तो ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद उसके खिलाड़ियों के कई चित्र फोटोशॉप कर उनका चरित्र हनन करना तक शुरू कर दिया।

कुछ लोगों ने यह भी कहा व लिखा कि वीवीआईपी लोगों के मैच में पहुंचने की वजह से मैच हार गया। कुछ ने स्टेडियम की व्यवस्था व सुरक्षा पर सवाल उठाया। और इन फिजूल की बातों में इसी विश्व कप सीरिज में भारत की वह उपलब्धियां दबी रह गईं, जिसकी चर्चा भी बेहद जरूरी थी। जैसे कि इसी विश्व कप में लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल तक का सफर तय करने वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने न केवल भारतवासियों बल्कि पूरे विश्व के खेल-प्रेमियों का दिल जीत लिया। भारतीय टीम द्वारा 10 लगातार जीतें हासिल की गईं जो भारत का किसी भी एक आईसीसी वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा लगातार जीत का नया रिकॉर्ड है। न्यूजीलैंड के साथ हुए सेमीफाइनल मैच में मोहम्मद समी ने तूफानी गेंदबाजी कर दुनिया में तहलका मचा दिया। विश्व कप 2023 में भारतीय टीम को जीत के मार्ग में मिलने वाले भारी अंतर ने भी क्रिकेट जगत में भारत की धाक जमाई। निःसंदेह ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व चैम्पियन जरूर बनी, परन्तु इसमें भी कोई संदेह नहीं कि भारत ने भी स्वयं को इस विश्व कप की दूसरी सबसे मजबूत टीम के रूप में स्थापित किया।

परन्तु इसमें भला क्या संदेह हो सकता है कि जो ऑस्ट्रेलिया पहले भी पांच बार विश्व चैम्पियन रह चुकी हो छठी बार भी उसी के जीतने की संभावना भी प्रबल थी न कि 2 बार की विजेता भारत की। परन्तु कभी-कभी बेवजह की राष्ट्रभक्ति, बेवजह के राष्ट्रवाद से परिपूर्ण उन्माद, भविष्यवाणियों का आसरा, अत्यधिक आत्मविश्वास, स्वयं को उम्मीद से अधिक आंकना और ऐसी भावना का एक वर्ग विशेष में सामूहिक रूप से न केवल जागृत बल्कि हावी हो जाना ही अन्ततोगत्वा उस समय कष्टदायक साबित होता है जब हमारी वही हवाई उम्मीदें भी हवा हवाई साबित हो जाती हैं। ऐसे में इस वर्ग को मुंह छिपाने और शर्मिंदगी के सिवा कुछ हाथ नहीं लगता।

मुझे नहीं पता कि जिन भविष्य वक्ताओं ने भारत की विश्व कप में जीत की गारंटी की भविष्यवाणी की थी वे अब क्या सफाई देंगे। परन्तु हमारा भारतीय समाज इतना भोला है कि ऐसे पाखंडी भविष्यवक्ताओं के जाल में आगे भी बार-बार फंसता रहेगा। यदि भारत यह मैच जीत जाता तो पाखंडी भविष्य वक्ताओं के साथ-साथ अनेक नेताओं की भी पौ बारह होती। तमाम मौका परास्त लोग इसका राजनैतिक लाभ उठाते। 2024 के चुनाव तक इसे भुनाया जाता। इसमें धर्म और राष्ट्रवाद का तड़का लगाया जाता। परन्तु ऐसे विचारवान लोगों को निराशा हाथ लगी। पूरे देश को भारत की पराजय का अफसोस ज़रूर है परन्तु प्रत्येक देश के प्रत्येक खिलाड़ी व खेल प्रेमी को खेलने या मैच देखने से पहले यह बात अपने मस्तिष्क में बिठा लेनी चाहिए कि खेल में सिर्फ जीत ही नहीं होती, हार का भी सामना करना पड़ता है और हार को भी खेल भावना के अनुरूप ही खुशी खुशी स्वीकार करना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

दृष्टिकोण

निश्चित ही यह दौर है हमारे जागरण का...

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

केंद्र व राज्यों में अलग-अलग दल की सरकार होने पर केंद्र तथा राज्य के संबंधों में तकरार स्वाभाविक रूप से हो सकती है। लेकिन ऐसी तकरार अपने अहम की तुष्टि हेतु होने लगे तब समस्याएं विकट होती जाती हैं। दशकों पूर्व केंद्र व राज्य संबंधों की समीक्षा हेतु बहुतेरे प्रयास किए गए, लेकिन जैसे-जैसे क्षेत्रीय नेतृत्व की राजनीतिक महत्वाकांक्षा बढ़ती रही वैसे वैसे इन संबंधों में दूरियां बनने लगी। वर्तमान व्यवसायिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक रूप से विभिन्न प्रांतवासी परस्पर बेहतर तालमेल रखते हैं।

कहीं कोई पूर्वाग्रह या कटुता के भाव नहीं होते। साथ ही एक दूसरे की संस्कृति को आपस में साझा करने की उत्कंठा का परिचय भी मिलता है। दरअसल जो भी कुछ अवरोध है,वह राजनीतिक स्तर पर है। धार्मिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक स्तर पर कहीं कोई किसी प्रकार का मतभेद नहीं है और ना ही किसी प्रकार की असहमति है। बावजूद इसके जो समस्या है वह शत-प्रतिशत राजनीतिक ही है।

येन केन प्रकारेण सत्ता प्राप्ति की अंधी चाहत के चलते नैतिकता को ताक पर रख देने के निकृष्ट उदाहरण भी देखे जाते हैं। वास्तव में राजनीति के मूल स्वरूप में दिनोंदिन विकृति व्याप्त होती जा रही है।

उक्त संदर्भों में राजनीति का शुद्धिकरण समय की मांग है। इस दिशा में विभिन्न शीर्ष राजनीतिक दलों के नेतृत्व को गंभीरतापूर्वक कदम उठाते हुए इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहिए। दरअसल राष्ट्र के व्यापक हितों के मद्देनजर राजनीतिक स्वार्थसिद्धि की भावना का परित्याग ही देश के विकास को नए आयाम दे सकता है। विभिन्न राजनीतिक दलों को दलीय हित से कहीं आगे राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। सत्ता के प्रति आतुरता के चलते राष्ट्रहित को दांव पर नहीं लगाना चाहिए। अनेकता में एकता के ताने-बाने को और अधिक सशक्त धरातल दिए जाने की अत्यंत आवश्यकता है। कुल मिलाकर तमाम विसंगतियों के बावजूद हम वैश्विक स्तर पर प्रगति की धारा में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

ऐसे में यदि सुधारवादी प्रक्रियाओं को आत्मसात कर लिया जाए, तो निश्चित रूप से हम विश्व की महाशक्ति के रूप में तीव्र गति से उभर कर सामने आ सकते हैं। एक व्यक्ति समाज को क्या दे सकता है और समाज देश को क्या दे सकता है, इसका निर्धारण होने पर प्रत्येक व्यक्ति एवं प्रत्येक समाज के समक्ष अलग-अलग दिशा और विधा में लक्ष्य सुनिश्चित किए जा सकेंगे। ऐसा होना असंभव भी नहीं है, सदियों तक की दासता के पश्चात अब हमारा मान सम्मान और स्वाभिमान एक भारतीय के नाते विश्व के किसी भी नागरिक से कम नहीं है।

हमारी विश्व वंदनीय गौरवशाली भारतीय संस्कृति विश्व को एक नई दिशा दे सकती है, बशर्ते कि हम अपने आप को पहचान ले। हमारी संस्कृति हमें यह सिखाती है कि जब लक्ष्य बड़े हो, तब छोटे बड़े त्याग के प्रति भी हमें अपनी मानसिकता बनाना होगी। व्यक्ति से समाज है और समाज से देश है। इसलिए व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के प्रति हमे दृढ़ संकल्पित होना चाहिए। यकीनन ऐसा होने पर हम समूचे विश्व में मानवता को परिभाषित करते हुए एक नया संसार रच देने का कौशल दिखा सकते हैं। यह कपोलकल्पित तथ्य नहीं है, अपितु देश के इतिहास के आधार पर भविष्य की ऐसी परिकल्पना है,जिसे साकार सिद्ध करने का अद्भुत सामर्थ्य हम भारतीय रखते हैं। खैर, आज नहीं तो कल, लेकिन जागना तो होगा। आशा की जानी चाहिए कि एक नए युग का सूत्रपात करने की दिशा में आप और हम आगे आएं और नया संसार रचाएं।

नॉलेज कॉर्नर: महाराष्ट्र के बाद गुजरात ने भी दिया स्टेट फिश का दर्जा

इसलिए 'घोलफिश' का संरक्षण जरूरी!

समुद्र में यूं तो मछलियों की हजारों प्रजातियां हैं, लेकिन इनमें से कुछ मछलियां ऐसी हैं जो अपनी विशेषता के कारण सबसे अलग हैं। इनमें से एक नाम है 'घोल फिश' का जिसे गोल्ड फिश के नाम से भी जाना जाता है। 'घोल फिश' का नाम फिलहाल सुर्खियों में बना हुआ है और वो इसलिए कि गुजरात ने हाल ही में 'घोल मछली' को स्टेट फिश का दर्जा दिया है, लेकिन ये पहली बार नहीं है। महाराष्ट्र इससे पहले 'घोल मछली' को स्टेट फिश घोषित कर चुका है। गुजरात के इस मछली को स्टेट फिश चुनने के पीछे कारण है कि इसकी भारी डिमांड होने की वजह से इसका बड़े स्तर पर शिकार हो रहा था, इसलिए इसे संरक्षित करने के लिए गुजरात सरकार ने ये कदम उठाया है।जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

दवा बनाने में होता है मछली का प्रयोग

ये मछली इतनी खास है कि इसकी डिमांड बाहरी देशों में खूब है। खासतौर से चीन में ये मछली ऊंचे कीमत पर बेची जाती है। दरअसल, इस मछली का इस्तेमाल दवा बनाने में किया जाता है। चीन के लोग इस मछली को इसलिए भी खाते हैं क्योंकि इसमें औषधीय गुण पाए जाते हैं। भारत में एक किलो घोल मछली की कीमत 5 से 15 हजार रुपए तक है। दूसरे देशों में एक्सपोर्ट करते समय इसकी कीमत 25 हजार रुपए प्रति किलो तक पहुंच जाती है। वहीं इसके सूखे हुए एयर ब्लैडर की कीमत और भी ज्यादा है। घोल मछली के एयर ब्लैडर की कीमत 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक होने का अनुमान है। इसी की मदद से कई फार्मा कंपनियां अपनी दवा तैयार करती हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर

घोल मछली को उसके अपने गुण दूसरी मछलियों से अलग बनाते हैं। अपने औषधीय गुणों के कारण पूर्वी एशिया में इसे अत्यधिक सम्मान दिया जाता है। आयोडीन, ओमेगा-3, डीएचए, ईपीए, आयरन, टॉरिन, मैग्नीशियम, फ्लोराइड और सेलेनियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर इस मछली को पोषण का पावरहाउस माना जाता है। जो चीज इसे सी गोल्ड के रूप में अलग करती है। वह इसके पेट में मौजूद एक थैली है। जिसमें शक्तिशाली औषधीय गुण हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी काफी उच्च कीमत है। घोल मछली अब विश्व स्तर पर सबसे महंगी समुद्री मछलियों में से एक है।

वर्ल्ड फिशरीज डे पर किया एलान

गुजरात ने घोल मछली (गोल्ड फिश) को स्टेट फिश के तौर पर चुना है। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वर्ल्ड फिशरीज डे के मौके पर यह बड़ा ऐलान किया। सुनहरे भूरे रंग की घोल मछली का वैज्ञानिक नाम प्रोटोनिबिया डायकैंथस है। इस मछली को सोने की दिल वाली मछली भी कहा जाता है।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi

हर भारतीय के लिए 26 नवंबर अविस्मरणीय है। आज, हम संविधान दिवस मनाते हैं और अपने संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि देते हैं। वे महान ज्ञान और बुद्धि के लोग थे। हम उन सभी लोगों को भी याद करते हैं जिन्हें हमने 26/11 के हमलों के दौरान खो दिया था और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi

मुझ पर 24 केस लगाए - वो मेरी छाती पर 24 मेडल हैं! क्या केसीआर पर केस लगाए? नहीं, क्योंकि मोदी-केसीआर एक हैं।

तेलंगाना चुनाव परिक्रमा: सीएम चंद्रशेखर राव का भावनात्मक कार्ड, लड़ाई पद के लिए नहीं, साक्षर व गरीब मुक्त राज्य चाहिए

KCR के निशाने पर कांग्रेस, तेलंगाना के गठन में देरी पर साधा निशाना

एजेंसी | हैदराबाद

भारत राष्ट्र समिति प्रमुख एवं मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के लोगों से ज्यादा, तेलंगाना के कांग्रेस नेताओं ने राज्य के गठन से पहले इसे धोखा दिया। यहां से करीब 190 किलोमीटर दूर जगतियाल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि वह अब 70 साल के हो गए हैं और वह अब जीवन में केवल यह देखना चाहते हैं कि तेलंगाना केरल की तरह 100 प्रतिशत साक्षरता हासिल कर ले और राज्य की जनता पूरी तरह गरीबी से मुक्त हो जाए। सिर्फ इसके लिए हम लड़ रहे हैं, किसी पद के लिए नहीं। उन्होंने कहा, मैं अब 70 साल का हूं। मुझे जीवन में और क्या चाहिए? इसलिए कृपया वोट देने से पहले पार्टियों की नीतियों और नेताओं को ध्यान में रखें। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने वादे के बावजूद तेलंगाना के गठन में देरी की। उन्होंने दावा किया कि 1969 में तेलंगाना आंदोलन के दौरान 400 लोग मारे गए थे। तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिलाने का सम्मान हासिल करने के बारे में बात करते हुए, केसीआर ने कहा कि वह इससे संतुष्ट हैं और वह लोगों के आशीर्वाद से पिछले 10 वर्ष से मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दे रहे हैं। कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए राव ने कहा कि उस पार्टी में 12 लोग हैं, जिनके बीच सत्ता में आने पर मुख्यमंत्री पद के लिए प्रतिस्पर्धा है। राव ने विश्वास जताया कि 30 नवंबर के विधानसभा चुनाव के बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) राज्य की सत्ता में फिर से आएगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाई जाएगी।

रायथु बंधु योजना को लेकर कांग्रेस पर बरसे मुख्यमंत्री

केसीआर ने कहा कि किसानों के लिए 'रायथु बंधु' निवेश सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता मौजूदा 10,000 रुपए से धीरे-धीरे बढ़ाकर 16,000 रुपए कर दी जाएगी। उन्होंने जनता से पूछा, आज कांग्रेस नेता कह रहे हैं कि केसीआर रायथु बंधु योजना लाकर जनता का पैसा बर्बाद कर रहे हैं। राव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का कहना है कि अगर पार्टी सत्ता में आई तो 'रायथु बंधु' को बंगाल की खाड़ी में फेंक देगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इससे बिचौलियों का शासन वापस आ सकता है। उन्होंने वादा किया कि अगर बीआरएस सरकार दोबारा सत्ता में आई तो सभी सफेद राशन कार्ड धारकों को बढ़िया गुणवत्ता का चावल देगी, क्योंकि राज्य अब सालाना तीन करोड़ टन धान का उत्पादन कर रहा है। केसीआर ने कहा कि तेलंगाना किसानों से सिंचाई जल शुल्क नहीं लेता है और यह किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली भी प्रदान कर रहा है।

कांग्रेस-बीआरएस के शासन की तुलना की चुनौती दी

राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने यहां के लोगों की सहमति के बिना तत्कालीन हैदराबाद राज्य का आंध्र प्रदेश में विलय कर दिया और इस कदम से यहां के लोगों 58 वर्षों तक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, कांग्रेस के शासन के दौरान उठाए गए कल्याणकारी कदमों की तुलना बीआरएस के 10 वर्षों के शासन से करें। बीआरएस ने पेंशन बढ़ाकर 2,000 रुपए कर दिया। अब हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 5,000 रुपए तक करने जा रहे हैं।

लोकतंत्र बचाने के लिए भाजपा को हराना जरूरी

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को 'संविधान दिवस' के अवसर पर कहा कि देश में संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए भाजपा को हराना जरूरी है। यादव ने माती में आयोजित संविधान बचाओ महारैली में दावा किया, भाजपा के लोग कानून और संविधान को नहीं मानते हैं। भाजपा सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। देश में संविधान बचाने के लिए समाजवादी लोग सबसे ज्यादा संघर्ष करने और जोखिम उठाने का काम कर रहे हैं। आज हम सभी लोग संविधान बचाने का संकल्प ले रहे हैं।

मिजोरम: मतगणना तिथि में बदलाव को लेकर प्रार्थना

आइजोल। मिजोरम में सात नवंबर को हुए राज्य विधानसभा चुनाव की मतगणना तिथि बदलने की मांग को लेकर राज्य के गिरजाघरों में प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। गिरजाघर के एक पदाधिकारी ने रविवार को बताया कि शनिवार को प्रमुख 15 गिरजाघरों के समूह, कोहरान ह्यूरेत्यूत कमेटी (एमकेएचसी) ने आग्रह किया था कि शनिवार की रात या रविवार को गिरजाघरों में प्रार्थना सभा आयोजित की जाए, ताकि रविवार को मतगणना न हो। ईसाई समुदाय के लोगों के लिए रविवार एक पावन दिन होता है। कुछ गिरजाघरों में शनिवार रात को प्रार्थना सभाएं हुईं, जबकि अन्य में रविवार को। पत्र में इस बात का जिक्र किया गया कि समिति के पदाधिकारी 28 नवंबर को निर्वाचन आयोग से मिलेंगे।

तेलंगाना की चुनाव रैली में प्रधानमंत्री का प्रहार

कांग्रेस-BRS एक दूसरे की कार्बन कॉपी: पीएम मोदी

■ राजस्थान, एमपी छत्तीसगढ़ में विपक्ष का हो जाएगा सफाया

एजेंसी | हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का सफाया हो जाएगा। ज्ञात रहे कि इन तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गए हैं। तेलंगाना के तूपरान में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने इन तीन राज्यों में अपने चुनाव प्रचार अभियान को याद किया।

उन्होंने कहा, मैंने तीन राज्यों में देखा है कि वहां ''इंडी अलायंस'' (इंडिया' गठबंधन) का सफाया हो जाएगा। वहां की महिलाएं, किसान कांग्रेस पार्टी को उखाड़ फेंकने वाले हैं।

भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि क्या तेलंगाना को ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत है, जो लोगों से नहीं मिलते। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हो या बीआरएस, उनकी पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद और खराब कानून व्यवस्था है और वे एक-दूसरे की 'कार्बन कॉपी' हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस, केसीआर एक समान, दोनों से रहो सावधान। तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

दुनिया भारत को अपना मित्र कहती है

पीएम मोदी ने हैदराबाद से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित कान्हा शांति वनम में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत खुद को 'विश्वमित्र' के रूप में देखता है और दुनिया इसे अपना मित्र कहती है। उन्होंने कहा कि अतीत में देश को गुलाम बनाने वालों ने भारत की मूल ताकत---योग, ज्ञान और आयुर्वेद जैसी उसकी परंपराओं पर हमला किया, जिससे उसे भारी नुकसान झेलना पड़ा। इतिहास गवाह है कि गुलामी जब भी और जहां भी आई, उस समाज की मूल ताकत को निशाना बनाया गया।

BRS और कांग्रेस में समझौता हुआ: शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को आरोप लगाया कि के. चंद्रशेखर राव को फिर से तेलंगाना का मुख्यमंत्री बनाने के लिए भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस के बीच एक समझौता हुआ है और इसके तहत राव बाद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने में मदद करेंगे। मकथल में एक चुनावी रैली में शाह ने कहा कि राव को सत्ता से हटाने के लिए कांग्रेस को अगर वोट दिया तो उसके विधायक बीआरएस में चले जाएंगे। अगर राव को सत्ता से हटाना है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाना ही एकमात्र विकल्प है। कांग्रेस के विधायक चीन की वस्तुओं की तरह हैं जिनकी कोई गारंटी नहीं होती है और वे कभी भी बीआरएस में जा सकते हैं।

फडणवीस का संकेत: सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला तय

BJP को 26, सहयोगियों को 22 सीटें

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों को लेकर भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और उपमुख्यमंत्री अजित पवार नीत राकांपा में लोकसभा चुनाव के दौरान सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला लगभग तय हो गया है। इसके तहत भाजपा 26 सीट पर चुनाव लड़ेगी। शिवसेना और एनसीपी को 22 सीटें दी जाएंगी। फडणवीस ने कहा कि 48 लोकसभा सीटों पर सर्वे पूरा किया गया है। 48 सीटों में से 40-42 सीटों पर हमारा गठबंधन जीत दर्ज करेगा।

इससे एक दिन पहले ही अजित पवार ने कहा था कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है।

पिछले चुनाव में 23 सीटों पर भाजपा ने किया था कब्जा

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में 48 में से 25 सीटों पर भाजपा ने अपने प्रत्याशी उतारे थे। इसमें से पार्टी ने 23 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, तब अविभाजित शिवसेना ने 23 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

कांग्रेस राज में होते थे आतंकी हमले: योगी

हैदराबाद। कांग्रेस नीत संप्रग के शासनकाल में भारत में आतंकी हमले और आतंकवादियों की घुसपैठ होने का दावा करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब विश्व मंच पर देश का कद बढ़ गया है। तेलंगाना के महबूबनगर जिले में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की सीमाएं पीएम मोदी के नेतृत्व के तहत सुरक्षित हो गई हैं।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख का बीआरएस पर सियासी वार

केसीआर बताएं, तेलंगाना के लिए क्या किया है: राहुल

एजेंसी | अंडोले (तेलंगाना)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव से कहा कि वह सबसे पुरानी पार्टी ने दक्षिणी राज्य के लिए क्या किया, इस पर सवाल उठाने से पहले लोगों को बताएं कि उन्होंने तेलंगाना के लिए क्या किया। गांधी ने यहां एक चुनावी रैली में आरोप लगाया कि केसीआर देश में सबसे भ्रष्ट सरकार चला रहे हैं और पैसा कमाने वाले सभी विभाग राव के परिवार के सदस्यों के पास हैं।

उन्होंने कहा कि अगर राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो पार्टी द्वारा दी गई 'छह गारंटी' को कैबिनेट की पहली बैठक में ही कानून का रूप देकर इसे लागू कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, आज तेलंगाना में दोराला सरकार (सामंती सरकार) और प्रजाला सरकार (जनता की सरकार) के बीच लड़ाई है। कांग्रेस का लक्ष्य तेलंगाना में बीआरएस को और बाद में राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को हराना है। राहुल गांधी ने कहा कि हैदराबाद शहर, जहां से राव कथित तौर पर करोड़ों रुपए लूट रहे हैं, उसे कांग्रेस ने विकसित किया और इसे आईटी हब बनाया।

तीन-चौथाई बहुमत से सत्ता में लौटेगी कांग्रेस: बघेल

हैदराबाद। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को कहा कि उनके राज्य में कांग्रेस तीन-चौथाई बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगी। बघेल ने यहां से करीब 160 किलोमीटर दूर करीमनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की दी हुईं सभी गारंटी पूरी की गई हैं। उन्होंने कहा, " छत्तीसगढ़ में हमने सभी गारंटी पूरी कीं। कांग्रेस पर विश्वास करें...आपने केसीआर को बहुत देख लिया। उन पर विश्वास करें जिन्होंने तेलंगाना राज्य बनाया। आप कांग्रेस को विजयी बनाएं। आप खुद को मजबूत महसूस करेंगे। भारत राष्ट्र समिति पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके परिवार के पास 17 विभाग हैं।

'रायथु बंधु' का उल्लेख रैलियों में करने से रोका जाए: कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि बीआरएस को 'रायथु बंधु' के तहत वितरित की जा रही राशि का उल्लेख चुनावी रैलियों में करने से रोका जाए। आयोग ने 24 नवंबर को राज्य सरकार को ह 28 नवंबर से पहले किसानों को यह राशि वितरित करने की अनुमति दी थी।

नव केरल यात्रा में शामिल CM

कोझिकोड। केरल के सीएम पी विजयन रविवार को कोझिकोड जिले के ओमासेरी में नव केरल यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। अभिनेत्री सुरभि भी कार्यक्रम में मौजूद थी।

हाईकमान करेगा लोस चुनाव पर फैसला: सुक्खू

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि राज्य की सभी चार लोकसभा सीटों के लिए पार्टी उम्मीदवारों पर अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान करेगा।

सुक्खू ने जिले के अपने दौरे के दौरान यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस पिछले विधानसभा चुनाव की तर्ज पर आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र की भाजपा सरकार को कड़ी चुनौती देने की तैयारी में है।

लोकसभा चुनाव से पहले दलितों को साधने की कवायद

उत्तर प्रदेश: कांग्रेस ने दलित गौरव संवाद को दिसंबर अंत तक बढ़ाया

एजेंसी | लखनऊ

अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले देश के सबसे पुराने दल कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति (दलित) के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाने के इरादे से राज्य में चल रहे अपने कार्यक्रम को दिसंबर के अंत तक बढ़ाने का फैसला किया है। बसपा के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि नौ अक्टूबर से शुरू हुए कार्यक्रम 'दलित गौरव संवाद' का समापन पहले संविधान दिवस 26 नवंबर को होना था, लेकिन अब इसे आगे बढ़ा दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि दलित गौरव संवाद' नौ अक्टूबर को शुरू हुआ था और इसका समापन 26 नवंबर को संविधान दिवस पर होना था, लेकिन संवाद के दौरान पार्टी को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए इसे और आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है, ताकि हम राज्य के हर दलित परिवार तक पहुंच सकें। यह संवाद दिसंबर के अंत तक जारी रहेगा। शनिवार को लखनऊ के सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में 'दलित गौरव संवाद' को संबोधित करते हुए राय ने कहा था, राज्य की भाजपा सरकार में दलितों को निशाना बनाया जा रहा है और उनकी हत्या की जा रही है।

उत्तर प्रदेश का कोई भी जिला ऐसा नहीं है, जहां दलित भाजपा सरकार में सुरक्षित महसूस कर रहे हों। हम उत्तर प्रदेश में भाजपा और आरएसएस की दलित विरोधी मानसिकता को सफल नहीं होने देंगे।

क्या हैं सियासी मायने

- कभी कांग्रेस का वोट बैंक रहा दलित समुदाय ने पहले बसपा का दामन थामा। अब
- भाजपा की ओर भी झुकने लगा। इससे पार्टी का जनाधार सिकुड़ गया। अब पार्टी अपनी खोई जमीन हासिल करना चाहती है।

अब लक्ष्य

- प्रदेश के हर दलित परिवार तक पहुंचना। दलित समुदाय के असरदार लोगों को पार्टी के साथ जोड़ना।

1 लाख दलित व्यक्तियों तक पहुंचने की योजना: यादव

पार्टी प्रदेश संगठन सचिव अनिल यादव ने पीटीआई-भाषा कहा,संवाद के तहत, पार्टी ने एक लाख प्रभावशाली दलित व्यक्तियों तक पहुंचने की योजना बनाई है, जिसमें शिक्षक, अधिवक्ता, ग्राम प्रधान, चिकित्सक और अन्य प्रमुख व्यक्ति शामिल हैं और इन सभी को एक 'दलित अधिकार मांग पत्र' भरना होता है। अब तक, 86,000 से अधिक लोगों ने वह फॉर्म भरा है। शुरुआत में, हमने राज्य के 403 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक के तहत 10 गांवों में दलित चौपाल आयोजित करने के बारे में सोचा था। उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए हमने अब गांवों की संख्या 20 तक बढ़ाने का फैसला किया है। अब चौपाल आयोजित की जा रही हैं।

दलितों को प्रलोभन: बसपा विधायक

इस बीच, उप्र विधानसभा में बसपा के एकमात्र विधायक उमा शंकर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, दलित समुदाय लंबे समय तक देश पर शासन करने वाली कांग्रेस को जानता है और देखा है। वे कांग्रेस शासित राज्यों में दलितों पर होने वाले अत्याचारों को भी देख रहे हैं। यह लोकसभा चुनाव से पहले दलितों को एक प्रलोभन है।

भाजपा-मायावती ने दलितों के लिए क्या किया: पुनिया

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और बाराबंकी (अनुसूचित जाति) से पूर्व लोकसभा सदस्य पीएल पुनिया ने कहा, लोगों को अब मायावती से कोई लगाव नहीं है और वे अब किसी विकल्प की तलाश कर रहे हैं। कांग्रेस ने दलितों के लिए कई कदम उठाए थे। इसमें जमींदारी उन्मूलन, भूमि हदबंदी कानून और ग्राम सभा की भूमि और नजूल भूमि का दलितों को वितरण शामिल है। नौकरशाही से राजनीति में आये पुनिया ने कहा, मैं जालौन जिले (उप्र) के कलेक्टर के रूप में तैनात था और मैंने यह किया था।

जरूरी खबर

जलवायु समिट में भाग लेने दुबई जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जलवायु परिवर्तन पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस सप्ताह दुबई की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। यह सम्मेलन उत्सर्जन को कम करने और मौसम संबंधी घटनाओं से निपटने में विकासशील देशों का समर्थन करने पर केंद्रित होगा। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 30 नवंबर और एक दिसंबर को दुबई में होंगे।

आईएसआई के लिए जासूसी, दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए कथित रूप से जासूसी करने एवं आतंकवाद का वित्त पोषण करने के आरोप में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एटीएस के मुताबिक, एटीएस ने पंजाब के भटिंडा के निवासी अमृत गिल उर्फ अमृत पाल (25) और गाजियाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र के फरीदनगर निवासी रियाजुद्दीन (36) को गिरफ्तार किया है। एटीएस टीम अमृत गिल को भटिंडा से 23 नवंबर को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर यहां लाई थी जबकि रियाजुद्दीन को पूछताछ के लिए एटीएस मुख्यालय तलब किया गया था, जहां उसे रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

राजस्थान से एक बाघ मध्यप्रदेश के कूनो पहुंचा

श्योपुर। राजस्थान से एक बाघ मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में घुस गया है। देश में चीतों की आबादी को पुनर्जीवित करने के लिए अफ्रीका से चीतों को लाकर केएनपी में ही रखा गया है। केएनपी के निदेशक उत्तम शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हां, दो से तीन दिन पहले केएनपी के अंदर बाघ के पैरों के निशान पाए गए थे। बाघ से चीतों को कोई सीधा खतरा नहीं है क्योंकि उन्हें पार्क में बाड़ों या 'बोमास' में रखा गया है। लगभग तीन साल का बाघ, राजस्थान के रणथंभौर बाघ अभयारण्य से संरक्षित जंगल में घुस गया, जो केएनपी से लगभग 100 किलोमीटर दूर है। केएनपी में अब सात नर व इतनी ही मादा चीते और एक शावक हैं।

संविधान दिवस: अखिल भारतीय न्यायिक सेवा हो-मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को न्यायपालिका में प्रतिभाशाली युवाओं का चयन करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए एक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के सृजन का सुझाव दिया। उच्चतम न्यायालय द्वारा यहां आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि खर्च और भाषा" न्याय चाहने वाले नागरिकों के लिए बाधाएं हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि न्याय तक सभी की पहुंच में सुधार के लिए संपूर्ण प्रणाली को नागरिक-केंद्रित बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा,इस विविधीकरण प्रक्रिया को तेज करने का एक तरीका एक ऐसी प्रणाली का निर्माण हो सकता है जिसमें योग्यता आधारित, प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से विभिन्न पृष्ठभूमियों से न्यायाधीशों की भर्ती की जा सके। अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का सृजन करना एक बेहतर विकल्प हो सकता है। ऐसी प्रणाली कम प्रतिनिधित्व वाले सामाजिक समूहों को भी अवसर प्रदान कर सकती है। इस कार्यक्रम में भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश भी शामिल हुए।

लोकतंत्र की आत्मा है संसद: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि संसद लोकतंत्र की आत्मा है और इसकी सर्वोच्चता में कार्यपालिका या न्यायपालिका का कोई भी हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। यहां संविधान दिवस कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'संसद की संप्रभुता राष्ट्र की संप्रभुता का पर्याय है और यह अभेद्य है। संसद के विशिष्ट क्षेत्र में कोई भी अतिक्रमण संवैधानिक भूल और लोकतांत्रिक सार एवं मूल्यों के प्रतिकूल होगा।उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश के निरंतर विकास के लिए कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को सहयोगात्मक संवाद करना चाहिए, न कि टकराव की धारणा बनानी चाहिए। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने सरकार के आलोचकों पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि जब भी देश में कुछ बड़ा होता है, तो कुछ लोग इसकी संस्थाओं को कलंकित और धूमिल करने के कृत्यों में लग जाते हैं।

कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से डरें नहीं लोग

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 'लोक अदालत' के तौर पर अपनी भूमिका निभाई है और नागरिकों को अदालतों का दरवाजा खटखटाने से नहीं डरना चाहिए, या इसे अंतिम उपाय के रूप में नहीं देखना चाहिए। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, जिस तरह संविधान हमें स्थापित लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं के माध्यम से राजनीतिक मतभेदों को हल करने की अनुमति देता है, अदालती प्रणाली स्थापित सिद्धांतों और प्रक्रियाओं के माध्यम से कई असहमतियों को सुलझाने में मदद करती है। प्रधान न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत में 'संविधान दिवस' समारोह के उद्घाटन के अवसर पर कहा, इस तरह, देश की हर

अदालत में हर मामला संवैधानिक शासन का विस्तार है। उन्होंने कहा, पिछले सात दशकों में, भारत के उच्चतम न्यायालय ने लोक अदालत के रूप में काम किया है। हजारों नागरिकों ने इस विश्वास के साथ इसके दरवाजे खटखटाएं हैं कि उन्हें इस संस्था के माध्यम से न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा, गैर-कानूनी गिरफ्तारियों के खिलाफ जवाबदेही, बंधुआ मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, आदिवासियों द्वारा अपनी भूमि की रक्षा करने की मांग, हाथ से मैला उठाने जैसी सामाजिक बुराइयों की रोकथाम और स्वच्छ हवा पाने के लिए हस्तक्षेप की उम्मीद के साथ अदालत पहुंचते हैं। ये मामले अदालत के लिए सिर्फ उद्धरण या आंकड़े नहीं हैं।

उत्तरकाशी: सुरंग में फंसे श्रमिकों के लिए प्रयासों का उजाला

सुरंग की वर्टिकल ड्रिलिंग शुरू चार दिन में हो सकती है पूरी

एजेंसी | उत्तरकाशी

पिछले दो सप्ताह से निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए वैकल्पिक रास्ता तैयार करने के वास्ते रविवार को सुरंग के ऊपर से वर्टिकल (लंबवत) ड्रिलिंग शुरू की गई और अब तक 19.2 मीटर ड्रिलिंग की जा चुकी है। अधिकारियों ने यहां बताया कि होरिजेंटल(क्षैतिज) ड्रिलिंग कर रही अमेरिकी ऑगर मशीन के टूटने के एक दिन बाद श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए लंबवत ड्रिलिंग शुरू की गई है।

कुल 86 मीटर लंबवत ड्रिलिंग की जाएगी और इसमें चार दिन का समय लगेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम

लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महमूद अहमद ने सिलक्यारा में संवाददाताओं को बताया कि सतलुज जलविद्युत निगम द्वारा शुरू की गई ड्रिलिंग का कार्य काफी जोर-शोर से चल रहा है और अगर बिना किसी अड़चन के यह इसी तरह चलता रहा तो हम इसे चार दिन में 30 नवंबर तक खत्म करने की उम्मीद कर सकते हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर बन रही सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था जिसमें उसमें काम कर रहे श्रमिक फंस गए थे।

ऑगर मशीन के ब्लेड फंसे और टूट गई

होरिजेंटल ड्रिलिंग कर रही ऑगर मशीन के ब्लेड शनिवार को मलबे में फंस गए थे। ड्रिलिंग के दौरान अमेरिकी ऑगर मशीन अवरोधक की जद में आने से टूट गई और उसका 45 मीटर हिस्सा 800 मिमी पाइप के भीतर फंस गया। बचाव दलों ने 20 मीटर हिस्सा तो गैस कटर से काटकर बाहर निकाल लिया।

इन विकल्पों पर हुआ विचार

- ऑगर मशीन के फंसे हिस्से को काटकर निकाला जाए जिसके बाद मजदूर छोटे उपकरणों के जरिए हाथों से खुदाई कर मलबा निकालें।
- सुरंग के ऊपरी क्षेत्र में 82 मीटर की वर्टिकल खुदाई की जाए।
- सुरंग के बड़कोट छोर की ओर से खुदाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है और यह करीब 500 मीटर का हिस्सा है और इस अभियान में भी 12 से 13 दिन लगने का अनुमान है।
- सुरंग के दोनों किनारों पर समानांतर (क्षैतिज) ड्रिलिंग की जाए। इसका सर्वेक्षण हो चुका है

एनआईए की कार्रवाई

गजवा-ए-हिंद के आतंकी मॉड्यूल पर कई राज्यों में छापे

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पाकिस्तान समर्थित गजवा-ए-हिंद आतंकी मॉड्यूल मामले में रविवार को कई राज्यों में छापेमारी की। एनआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि मध्य प्रदेश के देवास जिले, गुजरात के गिर सोमनाथ जिले, उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले और केरल के कोझिकोड जिले में संदिग्धों के परिसरों पर छापे मारे गए।

छापेमारी में आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। छापेमारी से संदिग्धों के पाकिस्तान में मौजूद उनके आकाओं के साथ संबंधों का भी पता चला है। प्रवक्ता ने कहा, ये संदिग्ध अपने पाकिस्तानी आकाओं के संपर्क में थे और गजवा-ए-हिंद के कट्टरपंथी, भारत विरोधी विचार

का प्रचार करने में शामिल थे। यह मामला पिछले साल 14 जुलाई को बिहार में फुलवारीशरीफ पुलिस द्वारा मरगूब अहमद दानिश उर्फ ताहिर की गिरफ्तारी के बाद दर्ज किया गया था, जो ज़ैन नाम के एक पाकिस्तानी नागरिक द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप 'गजवा-ए-हिंद' से जुड़ा था।

अधिकारी ने कहा कि आरोपी ताहिर ने भारत के साथ-साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश और यमन सहित अन्य देशों के कई लोगों को समूह में जोड़ा था।

मणिपुर में उग्रवादी गुट से वार्ता

शांति समझौता जल्द संभव: CM

एजेंसी | इंफाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार इंफाल घाटी के एक उग्रवादी समूह के साथ वार्ता कर रही है और जल्द ही एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। सिंह ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा कि वार्ता अग्रिम चरण में है हालांकि उन्होंने भूमिगत संगठन का नाम नहीं लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम आगे बढ़ रहे हैं और बहुत जल्द एक बड़े भूमिगत संगठन के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। राज्य में तीन मई

को जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह पहली बार है, जब सरकार की ओर से इस तरह की वार्ता को लेकर आधिकारिक पुष्टि की गई है। इससे पहले सूत्रों ने कहा था कि सरकार प्रतिबंधित संगठन 'यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट' (यूएनएलएफ) के एक धड़े के साथ वार्ता कर रही है। अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के बाद भड़की हिंसा में अब तक 180 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

म्यांमार के लोगों के मणिपुर में शरण लेने को लेकर सिंह ने कहा कि यद्यपि भारत संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी समझौते का सदस्य नहीं है, लेकिन कुछ लोगों को मानवीय आधार पर राज्य में शरण दी गई है। हालांकि म्यांमार में स्थिति सुधरने पर इन लोगों को वापस भेज दिया जाएगा।

आरोग्य केंद्र अब होंगे आयुष्मान आरोग्य मंदिर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों का नाम बदलकर 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' करने का फैसला किया है तथा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस साल के आखिर तक इसे लागू करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र भेजा है। राज्यों को आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र पोर्टल पर नए नाम वाले इन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की तस्वीरें अपलोड करने को कहा गया है। पत्र में यह स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का लोगो यथावत रखा जाए।

मुंबई हमले के शहीदों को नमन

मुंबई। मुंबई में हुए आतंककारी हमले (26/11)में शहीद हुए पुलिसकर्मियों को हमले की 15वीं बरसी पर रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुंबई के पुलिस कमीशनर और अन्य अधिकारी।

मन की बात में बोले पीएम मोदी...

पूरे हौसले से आतंकवाद को कुचल रहा है भारत

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मुंबई में 26 नवंबर को हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर कहा कि भारत ने आज के दिन सबसे जघन्य हमले का सामना किया था लेकिन यह देश की क्षमता थी कि वह उस हमले से उबर गया और पूरे हौसले के साथ आतंकवाद को कुचल रहा है।

आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने मुंबई हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश वीर शहीदों को याद कर रहा है। प्रधानमंत्री ने 26 नवंबर 1949 को संविधान

सभा द्वारा भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने को याद करते हुए देशवासियों को संविधान दिवस की भी बधाई दी। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी।

प्रधानमंत्री ने संविधान को अंगीकार करने के लिए किए गए विभिन्न संशोधनों का उल्लेख किया और कहा कि समय और परिस्थिति तथा देश की आवश्यकता को देखते हुए अलग-अलग सरकारों ने अलग-अलग समय पर संशोधन किए।

चार लाख करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ

पीएम मोदी ने अपने विचार साझा करते हुए देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को सिर्फ त्योहारों तक ही सीमित न रखने की अपील की और उनसे आग्रह किया कि उन्हें शादी के मौसम में भी स्थानीय उत्पादों को महत्व देना चाहिए। उन्होंने कहर ,बीते कुछ दिनों के भीतर ही दिवाली, भैया दूज और छठ पर देश में चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ और इस दौरान भारत में बने उत्पादों को खरीदने का जबरदस्त उत्साह लोगों में देखा गया। अब तो घर के बच्चे भी दुकान पर कुछ खरीदते समय देखने लगे हैं कि उस पर 'मेड इन इंडिया' लिखा है कि नहीं।इतना ही नहीं ऑनलाइन सामान खरीदते समय भी अब लोग यह देखना नहीं भूलते हैं कि उत्पाद किस देश में बना है।

विदेशों में शादी करना जरूरी है क्या?

पीएम ने कहा कि इन दिनों कुछ परिवारों में विदेशों में जाकर शादी करने का नया वातावरण बन रहा है, ये जरूरी है क्या? भारत की मिट्टी में भारत के लोगों के बीच अगर हम शादी ब्याह करेंगे तो देश का पैसा, देश में रहेगा। छोटे छोटे गरीब लोग भी अपने बच्चों को आपकी शादी की बातें बताएंगे।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा...

भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र, बस हमें पहचानना है

एजेंसी | नोएडा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में कहा कि भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है। आपको बस इसे पहचानना है। भागवत ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, हिंदू राष्ट्र बनाना क्या है? वह तो बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक मित्र जोड़ने चाहिए और भारत-अमेरिका को सहयोग से चलना चाहिए। देश के युवाओं को लेकर उन्होने कहा कि आजकल युवा चमत्कार कर रहे हैं, लेकिन इन्हें अवसर देने वाला चाहिए। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आ गया है। हालांकि, उस पर नियत्रंण की व्यवस्था नहीं है, इसलिए लोग इससे डर रहे हैं।

पूरी दुनिया भारत की उन्नति का इंतजार कर रही है और देश की उन्नति तभी होगी, जब भारत अपने बल पर कुछ कर के दिखाएगा।उन्होंने कहा कि संविधान सभा में डॉ अंबेडकर ने कहा था कि स्वतंत्रता और समानता एक साथ नहीं आती है। इन दोनों को एक साथ आने के लिए भाईचारा चाहिए।

भारत सर्वोपरि है। हम सब भाई हैं, छुआ-छूत नहीं चलेगा। हमारी सारी समस्याओं का इलाज सद्भावना है।

ताल-2023: 6 से 50 वर्ष तक की आयु के कलाकारों ने की जुगलबंदी

गुरु-शिष्या के खास तालमेल में दिखे कथक के विविध रंग

कभी थाट और आमद तो कभी तिहाइयों पर दर्शकों ने तालियों से बढ़ाया उत्साह

बेधड़क | जयपुर

ताल पर जब कथक के विभिन्न रूप विभिन्न मुद्राओं से जीवंत हुए तो दर्शकों का मन भी उनमें खो सा गया। कभी थाट और आमद तो कभी तिहाइयां व चक्कर के टुकड़े तालियां बजाने को मजबूर कर रहे थे। यह अनूठा नजारा रवींद्र मंच के मुख्य सभागार में अग्रवाल एजुकेशनल कल्चरल एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित ताल-2023 में दिखा। यहां गुरु-शिष्या का तालमेल तो खास रहा ही कथक के कई रूप भी देखने को मिले।

खास रहा राजस्थानी फोक डांस

इसके साथ ही छात्राओं ने गणेश वंदना, तराना, ठुमरी, विभिन्न वाद्य यंत्रों की धुन पर कथक, राजस्थानी लोक नृत्य आदि की मनोहारी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शिव तांडव शंकर अति प्रचंड रहा, जिसकी प्रस्तुति चारवी, अदिति, अवनी, शालिनी, इशिका व दुर्गेश ने दी। साथ ही शाइनी व यशवी ने शिव के अर्धनारीश्वर रूप को आंगिक अभिनय के ललितपूर्ण संयोजन से प्रस्तुत किया। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अशोक पंड्या मुख्य अतिथि के रूप में व राजस्थान ललित कला अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अश्विन दलवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिभावान छात्राओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। मंच संचालन प्रणय भारद्वाज ने किया।

125 कलाकारों ने मोहा मन

कार्यक्रम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ कथक डांस एंड म्यूजिक की करीब 125 छात्राओं ने मनोहारी नृत्यों की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। जब कार्यक्रम में 6 वर्ष से 50 वर्ष तक की नृत्यांगनाओं ने विभिन्न नृत्यों की प्रस्तुति दी तो सभागार तालियों से गूंज उठा। डॉ. स्वाति अग्रवाल ने अपनी वरिष्ठ शिष्याओं हर्षिता व स्नेहल के साथ थाट, आमद, तिहाइयां, चक्कर का टुकड़े प्रस्तुत किए।

विशेषज्ञों ने की रंगमंच पर चर्चा

बेधड़क. जयपुर। आरआईसी के वीकेंड थिएटर प्रोग्राम में फिल्म और रंग अभिनेत्री-लेखिका-निर्देशिका नादिरा जहीर बब्बर के साथ रूबरू टॉक सेशन आयोजित किया गया। साथ ही एक नाटक खेला गया। नाटक से पहले शाम 5 बजे बब्बर के साथ सालेहा गाजी ने बातचीत की, जिसमें बब्बर ने रंगमंच से जुड़े पहलुओं को उजागर किया। इस मौके पर उन्होंने 'मेरी मां के हाथ' शीर्षक से कविता पाठ किया। इस मौके पर जयपुर रंगमंच में होने वाले बदलाव और भारतीय रंगमंच की अवधारणाओं पर बात हुई। बब्बर ने कहा कि रंगमंच में महिलाओं को निरंतर आगे आना चाहिए। इसके बाद नाटक का मंचन किया गया। नाटक में तीन दोस्तों की कहानी दिखाई गई, जो एक फ्लैट में रहते हैं। नाटक में संगम शुक्ला, राजीव सिंह, मानव पांडे, युद्धवीर धाइया, देवेश कुमार, सुष्मिता राणा, मनीता मलिक, नीलम पाठक, तेजस यादव आदि ने अभिनय किया।

जपुजी साहिब के किए पाठ

बेधड़क. जयपुर। सिक्ख धर्म के संस्थापक व प्रथम गुरु-गुरु नानक देवजी के 554वें प्रकाश परब को समर्पित सुखमनी सेवा सोसायटी बनीपार्क के पाठ ग्रुप 'अपणी मेहर कर' के सदस्यों ने गुरुजी की बाणी जपुजी साहिब के 10 हजार पाठ किए। साथ ही विश्व शांति के लिए अरदास की। नोबल पुरस्कार से सम्मानित रवींद्रनाथ टैगोर ने गुरु नानक देवजी के बारे में कहा था कि वे केवल सिक्ख धर्म के नहीं पूरी मानवता के गुरु हैं। गुरु नानक देवजी का जीवन हमें उनके उपदेशों पर चलने के लिए प्रेरित करता है। 'किरत करो' (ईमानदारी की कमाई करो), 'वंड छको' (जरूरतमंदों की मदद करो) व 'नाम जपो' (परमात्मा का सिमरन करो) गुरुजी के बताए तीन नियमों का पालना करना ही सही मायने में गुरुपर्व मनाना है।

CBROA का स्नेह मिलन समारोह

बेधड़क. जयपुर। सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन (सीबीआरओए) राजस्थान के मैंबर्स का दिवाली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। संस्था संयुक्त महासचिव बीएस राठौड़ ने बताया कि चेयरमैन आर के बख्शी व उपाध्यक्ष पी आर शर्मा ने शुभ कामनाएं दीं। नए सदस्यों हरलाल मीना, हरचंद मीना, पीए गौड़ व बीएल खन्ना का अभिनंदन किया। साथ ही संस्था के क्षेत्रीय सचिव पदम जैन बिलाला तथा विनोद सिंहल का आर के जैन, शिवानंद शर्मा, भंवर सिंह राठौड़, सीता राम यादव, मनोज शर्मा ने सम्मान किया। मुख्य वक्ता केंद्रीय महासचिव एन के पारीक ने भी संबोधित किया। सभा का संचालन सुरेश शर्मा ने किया तथा समापन कोषाध्यक्ष ललित शर्मा ने किया।

City इवेंट्स

डीबीएल के फाइनल में पहुंची टीमें

जयपुर। निविक डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के पंचम संस्करण में सीनियर, बॉयज, किड्स तथा गर्ल्स कैट्रेगिरी और ओपन टूर्नामेंट में सेमीफाइनल मैचेज हुए। लीग चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि सेमीफाइनल मैचेज में कड़े मुकाबले में सीनियर कैटेगिरी में मेडीस्पा ने श्री हॉस्पिटल को 3-2 से हराकर व किड्स डेंटल ने जेएनआईसी को 3-2 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। जूनियर कैटेगिरी में जैन चेस्ट केयर ने जयपुर गैस्ट्रों को हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि अन्य मैचेज में बॉयज कैटेगिरी में केडिया हॉस्पिटल ने आइकन हॉस्पिटल को 3-0 से हराकर व आंच हॉस्पिटल ने पैथोस्कोप को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वुमन कैटेगिरी में शुभम् केयर हॉस्पिटल ने देशबंधु ईएनटी हॉस्पिटल को हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। लीग आयोजन सचिव डॉ. हनुमान खोजा ने बताया कि सेमीफाइनल मैचेज में टीम ऑनर व जयपुर के कई चिकित्सकों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

अष्टानिका महापर्व में चढ़ाए 512 अर्घ्य

बेधड़क, जयपुर। जैन धर्म के अष्टानिका महापर्व में श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान पूजा में मंत्रोच्चार के साथ 512 अर्घ्य चढ़ाए गए। इस मौके पर कई मंदिरों में दिगम्बर जैन संतों ने अष्टानिका महापर्व का महत्व बताया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार जैन धर्म के इस दूसरे बड़े पर्व अष्टानिका महापर्व के मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में 8 दिनों तक श्रीसिद्ध चक्र महामंडल विधान पूजा व विश्व शांति महायज्ञ, श्रीनन्दीश्वर महामंडल विधान पूजा सहित सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहे हैं। एसएफएस के श्रीआदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में अभिषेक, शांति धारा के बाद श्रीसिद्ध चक्र महामंडल विधान पूजा की गई, जिसमें 512 अर्घ्य चढ़ाए गए। शाम को 48 दीपकों से ऋद्धि मंत्रों युक्त भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान किया गया।

संविधान दिवस समारोह पर आयोजन

संविधान उद्देशिका का वाचन कराकर युवाओं को दिलाया प्रण

बेधड़क | जयपुर

युवाओं को संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया और उद्देशिका की अनुपालना करने का प्रण दिलाया। मौका था डॉ. अम्बेडकर मेमोरियाल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान के तत्वावधान में 'संविधान दिवस समारोह' का। सोसायटी अध्यक्ष डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा आईपीएस ने अतिथियों का स्वागत किया व महासचिव जीएल वर्मा ने उपस्थित लोगों के साथ संविधान की उद्देशिका का वाचन किया। समारोह के मुख्य अतिथि अपर जिला व सेशन न्यायाधीश पवन कुमार वर्मा व मुख्य वक्ता एडवोकेट जितेन्द्र मित्रुका ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत का संविधान दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ संविधान है। इसकी रक्षा करना तथा संविधान की मूल भावनाओं का ध्यान रखना और संविधान के अनुसार चलना हमारा दायित्व है।

समारोह में विशिष्ठ अतिथि अभिजीत सिंह, डॉ. भागचंद मीणा, डॉ. शशि इन्दुलिया, नरेंद्र अवस्थी, पी. सी.हाडिया, डॉ. महेंद्र आनंद, प्रशांत मेहरड़ा, महेश धावनिया, एड. गुरुप्रसाद लेखरा आदि ने संविधान पर प्रकाश डाला। अंत में सोसायटी कोषाध्यक्ष दयानंद सक्करवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में शिव शंकर छत्रपति, एडवोकेट मीनू वर्मा, राम निवास दहिया, विजय सेनु, एच आर परमार, रामकिशन मेहरा, डॉ. नवीन नारायण, रोहित खन्ना, बीएस वर्मा, बीपी बुनकर, माधव गोठवाल, ओम प्रकाश टाटीवाल, बाबूलाल बैरवा आदि ने भाग लिया।

मिस्टर राजस्थान ने शेयर की जर्नी

खुद को साबित नहीं कर पाता तो खेत में काम कर रहा होता

बेधड़क | जयपुर

अपने ड्रीम्स को कभी-भी गिवअप मत करो। अगर आप बढ़ रहे हो तो फैंस से ज्यादा हैट करने वाले मिलेंगे। बस अपनी जर्नी पर ध्यान दो। मैंने भी हमेशा ये ही किया है। ये जर्नी शेयर की राजस्थान के ग्रामीण अंचल की मानसिकताओं को तोड़कर मिस्टर राजस्थान-2023 का खिताब अपने नाम करने वाले अंश वालिया ने। खिताब जीतने के बाद उन्होंने अपना सफर साझा किया और कई किस्से बताते हुए लोगों को मोटिवेट किया। वैशाली नगर स्थित इन्फिनिटी लाउंज में आए राजस्थान के पहले स्टेट लेवल मेल पेजेन्ट मिस्टर राजस्थान-2023 सीजन-2 के विनर अंश ने इंटरेक्शन सेशन आयोजित किया। अंश ने अपने फैमिली व फ्रेंड्स के सपोर्ट, एकेडमिक, इवेंट से जुड़ी जर्नी व अनुभवों के हर एक पहलू को बताया। इस दौरान पेजेंट फाउंडर डायरेक्टर अनूप चौधरी मौजूद रहे और उन्होंने भी शो से जुड़ी कई बातें बताईं। गौरतलब है, कि अंश मूलत हनुमानगढ़ से संबंध रखते हैं और वर्तमान में जयपुर में निवास करते हुए मणिपाल यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता का कोर्स कर रहे हैं।

अंश को जयपुर आकर मिस्टर राजस्थान के बारे में पता लगा। जब उन्होंने इस बारे में घर वालों को बताया तो पहले घर वालों ने बोला तूं यह सब नहीं कर पाया तो खेत में काम पर लगा देंगे। अंश ने बताया, कि मिस्टर वर्ल्ड रह चुके रोहित खंडेलवाल उनके रोल मॉडल हैं। आगे जाकर वह एक्टिंग फील्ड में कॅरियर बनाना चाहते हैं।

शोभायात्रा | जलेब चौक से चली यात्रा में शाही लवाजमे ने किया आकर्षित

नामदेव जयंती की आभा से शोभित हुआ गुलाबी नगर

बेधड़क | जयपुर

भक्तों ने यात्रा में भक्तिरस बरसाया और लीन होते हुए यात्रा पूरी की। जयघोष के साथ उनका जोश जयपुराइट्स को भी प्रभावित कर गया। मौका रहा नामदेव रथ यात्रा का, जो सुबह 11.30 बजे जलेब चौक से शुरू की गई। यात्रा में पूरे राजस्थान के नामदेव बंधुओं को आमंत्रित किया गया था। सीकर, चोमू, टोंक, भीलवाड़ा, जोधपुर, नागौर, रिंगस आदि के साथ पूरे राजस्थान के लोगों ने शोभा यात्रा में हिस्सा लिया और अहवाह्न

किया, कि जैसे हम खुदका और बच्चों का जन्मदिवस मनाते हैं उसी तरह हमारे संत जयंती के उपलक्ष में आयोजित होने वाली रथ यात्रा भी धूम-धाम से निकालने के लिए समाज बंधु एकत्रित हो। ताकि अपने बच्चों और भावी पीढ़ी को समाज से जोड़े रखा जाए।

हाथी-घोड़े-ऊंटों के लवाजमे के साथ निकली यात्रा

नामदेव चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष महावीर टेलर ने बताया कि लवाजमे में हाथी, घोड़े, ऊंट, नोवत बैल गाड़ी नगाड़ों के साथ, कच्छी घोड़ी टीम गाजे बाजो के साथ गणेश रथ, नामदेवजी का रथ, राम दरबार का रथ तथा कुल 11 बग्गी रथ, श्रीविट्ठल का बग्गी रथ, मां रुक्मणि का बग्गी रथ, श्रीनामदेव का पहला बग्गी रथ, श्रीनामदेव का दूसरा बग्गी रथ, पंढरपुर धाम झांकी का बग्गी रथ, गुमान धाम झांकी का बग्गी रथ शामिल रहा।

शोभायात्रा के समापन पर प्रसादी वितरण

यात्रा चौगान स्टेडियम में समाप्त हुई, जहां प्रसादी वितरण की गई। यात्रा में अनुराग रूनवाल, महावीर टेलर, अशोक गोठरवाल, मोहन लाल छिपा, चन्ददीप मेडतवाल, राम लाल बिडसर, शिव प्रसाद बुलिया, गिरधारी लाल सर्वा, सावरमल नथेया, केशव रोहिला, बंटी थरवान, अशोक कटोड़ा, पवन किंजड़ा, उमेश बाटू, मोनीश नामा, प्रहलाद छिपा, महावीर थुथगर, नानकराम मोयल, एच. एल. नामा, ज्योति प्रकाश कटोड़ा, रमेश शास्त्री, रामरूप खण्डेलवाल, सोहित टेलर, सुभाष अपूर्वा, प्रहलाद गोठवाल, सत्यनारायाण, रामसवरूप सोपरा, मंजू टेलर, सुनीता रूनवाल, मितलेश गोठवाल, भावना बूला, अंजु डीडवानिया, निधि टेलर, दिव्या टेलर,रीटा टांक, राधा कटोड़ा, मधुबाला टेलर, गोरी वर्मा, प्रिया वर्मा, वर्षा टांक, मंजु कावलिया, अर्चना छिपा, संजना गिनानी ने भूमिका निभाई।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, सोमवार, 27 नवंबर, 2023

जीवन में अहंकार और अधिक चतुराई आमतौर पर आपदा की ओर ले जाती है। हमेशा इनसे बचने की कोशिश करनी चाहिए।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

इजराइल-हमास युद्धविराम: कई घंटों की देरी के बाद रिहा किए बंधक और कैदी

गाजा सीजफायर का तीसरा दिन

हमास ने चार विदेशी सहित 17 इजराइली नागरिकों को किया रिहा

■ बदले में इजराइल ने 36 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा

एजेंसी | दीर अल बलाह

संगठन हमास द्वारा 13 इजराइली और चार विदेशी बंधकों को रिहा किए जाने के बाद इजराइल ने 36 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया। इसके साथ, इजराइल और हमास के बीच तनावपूर्ण युद्ध विराम आगे बढ़ता नजर आ रहा है। हमास ने इजराइल पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जिसके चलते बंधकों और कैदियों की रिहाई में कई घंटों की देरी हुई। तेल अवीव में एकत्रित हुए हजारों लोगों ने हमास द्वारा सात अक्टूबर को बंधक बनाए गए

सभी 240 लोगों को रिहा करने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर बंधकों को वापस लाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं करने का आरोप भी लगाया। इजराइल और हमास के बीच चार दिवसीय युद्ध विराम के दौरान कुल 50 इजराइली बंधकों और 150 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाना है।

आठ फिलिस्तीनियों की हत्या की

जेनिन शरणार्थी शिविर (वेस्ट बैंक)। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में मौजूद इजराइली सुरक्षा बलों ने 24 घंटे की अवधि में आठ फिलिस्तीनियों को मार डाला। गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम का रविवार को तीसरा दिन है। इजराइली बलों ने वेस्ट बैंक में दर्जनों की संख्या में फिलिस्तीनियों की हत्या की और सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया। वेस्ट बैंक में इजराइल द्वारा बसाए गए यहूदियों ने भी हमलों को बढ़ा दिया। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि चरमपंथियों के गढ़ जेनिन में पांच फिलिस्तीनी मारे गए जबकि वेस्ट बैंक के अलग-अलग इलाकों में शनिवार सुबह से तीन अन्य लोग मारे जा चुके हैं। इजराइली सेना ने कहा कि जो लोग मारे गए वे उग्रवादी थे, लेकिन किसी भी समूह ने तत्काल दावा नहीं किया कि मारे गए लोग उनके सदस्य हैं।

फिलिस्तीनी कैदियों को लेकर वेस्ट बैंक पहुंची रेड क्रॉस की बस

वेस्ट बैंक। हमास द्वारा 13 इजराइली और चार विदेशी बंधकों के रिहा किए जाने के बाद इजराइल द्वारा रिहा किए गए 36 फिलिस्तीनी कैदियों के साथ एक बस रविवार तड़के वेस्ट बैंक पहुंची। हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों और इजराइल में फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली के दूसरे दौर के तहत इन बंधकों और कैदियों को रिहा किया गया है। अल बिरेह पहुंचने पर सैकड़ों लोगों ने रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति की बस का स्वागत किया। इजराइली सेना ने कहा कि हमास द्वारा छोड़े गए बंधकों में चार लोग थाईलैंड के नागरिक हैं। इन बंधकों को इजराइल ले जाया गया है और उन्हें उनके परिवारों से मिलाया जा रहा है।

निज्जर केस: भारत के उच्चायुक्त का कनाडा को जवाब

जांच से पहले ही भारत को ठहराया दिया दोषी

एजेंसी | ओटावा

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा है कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत 'कतई' शामिल नहीं था और ओटावा ने जांच पूरी होने से पहले ही नई दिल्ली को 'दोषी' करार दिया है।

वर्मा ने यह टिप्पणी कनाडा के सबसे बड़े निजी टेलीविजन नेटवर्क 'सीटीवी न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान की। ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को निज्जर की हत्या में भारत के एजेंटों की 'संभावित संलिप्तता' संबंधी कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा हो गया था। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को 'बेतुका' और किसी मकसद से 'प्रेरित' बताकर खारिज किया है। रविवार को प्रसारित साक्षात्कार के दौरान वर्मा से पूछा गया कि भारत जांच में कनाडा के साथ सहयोग क्यों नहीं कर रहा है, इस पर उन्होंने कहा कि जांच पूरी हुए बिना ही भारत को दोषी ठहराया गया।

क्या यही कानून का शासन है?' यह पूछे जाने पर कि भारत को कैसे दोषी ठहराया गया, वर्मा ने जवाब दिया, 'क्योंकि भारत को सहयोग करने के लिए कहा गया था। और यदि आप विशिष्ट आपराधिक शब्दावली को देखें, जब कोई हमसे सहयोग करने के लिए कहता है, तो इसका अर्थ है कि आपको पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है और बेहतर होगा कि आप सहयोग करें। इसलिए हमने इसे बिल्कुल अलग अर्थ में लिया।

भारत सरकार का नहीं कोई हाथ

उच्चायुक्त वर्मा ने कहा, हमने हमेशा कहा है कि अगर कुछ विशिष्ट और प्रासंगिक है, और हमें उसकी जानकारी दी जाए तो हम उस पर गौर करेंगे। यह पहले दिन से कहा गया था। निश्चित रूप से हमने सहयोग शब्द का उपयोग नहीं किया है क्योंकि हमें लगता है कि यह अपमानजनक है। वर्मा ने जोर देकर कहा कि भारत कनाडा में निज्जर की हत्या में किसी तरह से शामिल नहीं है।

अज्ञात बंदूकधारियों ने किया था सैन्य बैरकों पर हमला

सिएरा लियोन में लगाया राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू

एजेंसी | फ्रीटाउन (सिएरा लियोन)

सिएरा लियोन के राष्ट्रपति जूलियस मैडा बायो ने पश्चिम अफ्रीकी देश की राजधानी में बंदूकधारियों द्वारा सैन्य बैरकों पर हमला किए जाने के बाद रविवार को देशव्यापी कर्फ्यू की घोषणा की।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर अपने पोस्ट में कहा कि अज्ञात बंदूकधारियों ने राजधानी फ्रीटाउन में बैरकों के भीतर एक सैन्य शस्त्रागार पर सुबह हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने बंदूकधारियों को खदेड़ दिया और शांति व्यवस्था कायम कर दी गई है। राष्ट्रपति ने कहा कि देशव्यापी कर्फ्यू घोषित कर दिया गया है और नागरिकों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी जाती है। बायो को जून में दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया था। मुख्य विपक्षी दल ने देश के चुनाव आयोग पर परिणामों में हेर फेर करने का आरोप लगाया था। देश में दो दशक पहले 11 साल तक गृह युद्ध चला था और उसके समाप्त होने पर यह राष्ट्रपति पद के लिए यह पांचवां चुनाव था। गृह युद्ध में हजारों लोग मारे गए थे और देश की अर्थव्यवस्था नष्ट हो गई थी।

इजराइल के टैंकर को बनाया बंधक

दुबई। हमलावरों ने रविवार को अदन के तटीय क्षेत्र के पास इजराइल के एक टैंकर को बंधक बना लिया। टैंकर के चालक दल के सदस्यों में भारतीय नागरिक भी शामिल है। किसी ने टैंकर को बंधक बनाने की जिम्मेदारी नहीं ली है, अमेरिकी अधिकारी ने भी टैंकर को बंधक बनाए जाने की पुष्टि की है।

कई यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए: रूस

एजेंसी | कीव

रूसी अधिकारियों ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन ने बीती रात मॉस्को पर दर्जनों ड्रोन से हमला करने का प्रयास किया, लेकिन रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने कम से कम 24 ड्रोन को मार गिराया। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, एक दिन पहले ही रूस ने कीव पर ड्रोन हमला किया था, जो इसके द्वारा वर्ष 2022 में व्यापक स्तर पर हमले शुरू करने के बाद से सबसे भीषण हमला था।

रूसी रक्षा मंत्रालय और मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने टेलीग्राम अपडेट की एक श्रृंखला में बताया कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने मॉस्को क्षेत्र और दक्षिण और पश्चिम के तीन अन्य प्रांतों में कम से कम 24 ड्रोन मार गिराए। किसी के हताहत होने का जिक्र नहीं किया गया है। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोबयेव ने टेलीग्राम पर लिखा कि ड्रोन हमलों ने वहां तीन अज्ञात इमारतों को नुकसान पहुंचाया, लेकिन किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई।

बैंकॉक में तीन दिवसीय विश्व हिंदू सम्मेलन

हिंदू समाज की मजबूती का संकल्प

एजेंसी | बैंकॉक

हिंदू संगठनों के बीच एकता को मजबूत करने और सनातन धर्म के खिलाफ भावनाओं के आधार पर फैलायी गई नफरत एवं पूर्वाग्रहों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के संकल्प के साथ तीन दिवसीय विश्व हिंदू सम्मेलन रविवार को यहां संपन्न हो गया।

सम्मेलन के दौरान समानांतर सत्रों में, प्रतिनिधियों ने विदेशों में चुने गए हिंदू जन प्रतिनिधियों को संघों के माध्यम से संगठित करके और उनके बीच संवाद बढ़ाकर उनके खिलाफ राजनीतिक विमर्श से लड़ने के लिए समर्थन करने का भी संकल्प लिया। आयोजकों ने घोषणा की कि अगला विश्व हिंदू सम्मेलन (कांग्रेस) 2026 में मुंबई में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया भर में रहने वाले हिंदुओं से लोगों के साथ अपने संबंध मजबूत करने की भावुक अपील की। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म शांति और प्रसन्नता का मार्ग दिखाता है और संपूर्ण मानवता को सभी प्राणियों के अस्तित्व की आत्मा मानता है।

लड्डू से दिया हिंदू एकता का संदेश

सम्मेलन में प्रतिनिधियों को भुरभरे और सख्त लड्डू वितरित कर हिंदू एकता का संदेश दिया गया। प्रतिनिधियों को वितरित किए गए लड्डू के डिब्बे पर संदेश लिखा था कि दुर्भाग्य से वर्तमान में हिंदू समाज एक भुरभुरे लड्डू जैसा है, जिसे आसानी से तोड़ा जा सकता है और फिर आसानी से खाया जा सकता है। इसमें कहा गया कि एक बड़ा सख्त लड्डू मजबूती से बंधा हुआ और एकजुट होता है तथा इसे आसानी से नहीं तोड़ा जा सकता है। हिंदू समाज को एक बड़े सख्त लड्डू की तरह होना चाहिए, जिसे तोड़ना बहुत मुश्किल हो। तभी यह शत्रु ताकतों से अपनी रक्षा कर पाएगा।

61 देशों के 2,100 प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

थाईलैंड की राजधानी में यहां आयोजित किया गया यह सम्मेलन हिंदू संगठनों के बीच एकता को मजबूत करने और सनातन धर्म के खिलाफ भावनाओं के आधार पर फैलाई गई नफरत एवं पूर्वाग्रहों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। आयोजकों के अनुसार, 61 देशों के 2,100 से अधिक प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में हिस्सा लिया, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने किया था, जबकि आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी देवी ने रविवार को समापन भाषण दिया।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl